



रोमनकाल में एथेन्स में बना इंजीनियरिंग का सबसे अद्भुत नमूना हेड्रिन रैजवॉयर (जलाशय) आज के दिन एक आउटडोर मूवी थिएटर के नीचे है। लगभग 2000 साल पुराने इस रैजवॉयर के ऊपर खुली हवा में बैठकर लोग फिल्म देखते हैं। दूसरी सदी ईसवी में एथेन्सवासियों की बढ़ती हुई पानी की आवश्यकता पूरी करने के लिए, सम्राट हेड्रिन ने एक जलाशय बनाने का आदेश दिया। इस तरह 125 ईसवी में पानी के परिवहन के लिए एक पाईप-लाइन का निर्माण शुरू हुआ, जो 'माउन्ट परनिथा' से आरंभ होकर, 12 मील दूर 'माउन्ट लायकाबैटस' की तलहटी तक जाती थी, जहाँ जलाशय का निर्माण किया गया। इस मानव निर्मित पाईप-लाइन का ज्यादातर हिस्सा भूमिगत सुरंग जैसा था, जिसे ठोस चट्टानों को काटकर बनाया गया था। इसका निर्माण 140 ईसवी में पूरा हो गया था। तब से आज तक यह एथेन्स का सबसे बड़ा इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट है। हेड्रिन रैजवॉयर, माउन्ट लायकाबैटस के पश्चिमी बेस पर स्थित है। यहाँ से निकलने वाले पाइपों के द्वारा 1000 वर्षों तक उस इलाके के निवासियों को पानी की जरूरतें पूरी हुईं। जलाशय, हेड्रिन और उनके उत्तराधिकारी एन्टोनाइनस पायस को समर्पित था, जिनके शासनकाल में इसका निर्माण पूरा हुआ था। ऑटोमन साम्राज्य के शासनकाल में, इस जलाशय का परिवर्तन कर दिया गया था, जिसके कारण अधिकतर निवासियों को कुओं पर निर्भर होना पड़ा। फिर, वर्ष 1847 में जलाशय की पाइपलाइनों का जीर्णोद्धार शुरू हुआ, हालांकि 1929 में 'मैराथन बांध' बनाने के बाद यह जलाशय पानी का मुख्य स्रोत नहीं रहा। वर्तमान में जलाशय से पीने के पानी की सप्लाई नहीं होती है, लेकिन फिर भी जलाशय का थोड़ा सा पानी पाइपलाइन से होते हुए, अंतिम छोर पर एक गंदे नाले में गिरता है। इस स्थान पर अब सीढ़ियों का कुछ भाग तथा दो खंभों की नींव ही बची हुई है। जलाशय के प्रवेश द्वार के ढांचे का एक भाग भी अस्तित्व में है, लेकिन वह 'नेशनल गार्डन' में रखा हुआ है।

## 'बांग्लादेश के रणनीतिक द्वीप पर नियंत्रण के लिए अमेरिका ने हमें हटाने की साजिश रची'

बांग्लादेश की पूर्व प्र.मंत्री शेख हसीना ने अमेरिका पर बांग्लादेश में तख्तापलट की साजिश रचने के आरोप लगाये

ढाका, 11 अगस्त (वार्ता) बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने रविवार को प्रकाशित एक पत्र में अमेरिका पर सेंट मार्टिन के रणनीतिक द्वीप की संप्रभुता छोड़ने से इनकार करने के बाद उन्हें हटाने की साजिश रचने का आरोप लगाया है।

'द इकोनॉमिक टाइम्स' को प्राप्त पत्र में लिखा है, अगर मैंने सेंट मार्टिन द्वीप की संप्रभुता को आत्मसमर्पण कर दिया होता और अमेरिका को बंगाल की खाड़ी पर प्रभुत्व रखने की अनुमति दी होती तो मैं सत्ता में बनी रह सकती थी। सुश्री हसीना ने पिछली गर्मियों में बिना किसी पार्टी का विवरण दिये कहा था कि बांग्लादेश द्वीप को पट्टे (लीज) पर नहीं देगा। अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने कुछ दिनों बाद कहा कि अमेरिका ने कभी भी द्वीप पर नियंत्रण लेने की योजना का उल्लेख नहीं किया था।

■ 'द इकोनॉमिक टाइम्स' को प्राप्त पत्र में लिखा है, अगर मैंने सेंट मार्टिन द्वीप की संप्रभुता को आत्मसमर्पण कर दिया होता और अमेरिका को बंगाल की खाड़ी पर प्रभुत्व रखने की अनुमति दी होती तो मैं सत्ता में बनी रह सकती थी।

■ गौरतलब है कि शेख हसीना ने पिछली गर्मियों में बिना किसी पार्टी का विवरण दिये कहा था कि बांग्लादेश द्वीप को पट्टे (लीज) पर नहीं देगा। अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने कुछ दिनों बाद कहा कि अमेरिका ने कभी भी द्वीप पर नियंत्रण लेने की योजना का उल्लेख नहीं किया था।

हसीना ने कहा कि उन्होंने पद छोड़ने का फैसला किया 'ताकि मुझे शर्मा का जुलूस न देखना पड़े' और उन्होंने दक्षिण एशियाई राष्ट्र से कट्टरपंथियों के बहकावे में न आने का भी आग्रह किया।

उन्होंने लिखा, अगर मैं देश में रहती, तो और अधिक जानें जाती, अधिक संसाधन नष्ट हो जाते। मैंने बाहर निकलने का बेहद कठिन निर्णय लिया। हसीना ने आगे कहा कि मैंने इसलिए इस्तीफा दिया ताकि देश में अमन-चैन

कायम रहे। मैं नहीं चाहती थी कि वहाँ पर हिंसा हो। शेख हसीना ने कहा कि वह लोग छात्रों को लाशों पर सत्ता हासिल करना चाहते थे। लेकिन मैंने पहले ही इस्तीफा देकर ऐसी नौबत ही नहीं आने दी। गौरतलब है कि बांग्लादेश में राजनीतिक हालात काफी ज्यादा खराब हैं। पांच अगस्त को छात्रों का विरोध प्रदर्शन तेज हुआ था। यह लोग सरकारी नौकरी में विवादास्पद कोटा सिस्टम खत्म करने की मांग कर रहे थे। इसके बाद बढ़ती हिंसा से डरकर शेख हसीना मिलिट्री एयरक्राफ्ट में सवार होकर भारत पहुँच गईं। फिलहाल वह भारत में ही मौजूद हैं। बांग्लादेश में नोबल विजेता मोहम्मद युनुस के नेतृत्व में अंतरिम सरकार चुनी गई है।

बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री ने कहा कि अगर मैंने अमेरिका को बंगाल की खाड़ी में अधिकार दे दिए होते तो (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

## हरियाणा: जमीन विवाद में गोलियाँ चली, 8 घायल

सिरसा, 11 अगस्त। हरियाणा के सिरसा में रानियां में नामधारी डेरे की जमीन को लेकर दो गुटों में ताबड़तोड़ फायरिंग हुई। इस घटना में 6 लोग घायल बताए जा रहे हैं, जिन्हें पहले सिरसा के एक अस्पताल में दाखिल करवाया गया लेकिन उनकी गंभीर

हरियाणा के सिरसा में रानियां में नामधारी डेरे की जमीन को लेकर दो गुटों में ताबड़तोड़ फायरिंग हुई। यह मामला बीते कई दिनों से चल रहा है जो सरकार के लिए भी एक बड़ी चुनौती बन चुका है।

हालत को देखते हुए सभी को अग्रोहा मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। सभी की हालत गंभीर बताई जा रही है। वहीं, इस घटना के बाद इलाके में भारी तनाव पैदा हो गया। मौके पर भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

## कानोता बांध में 5 युवक डूबे, एक साथी बाहर निकला

शास्त्रीनगर और झोटवाड़ा के रहने वाले 6 युवक रविवार शाम कानोता बांध घूमने पहुंचे थे

जयपुर, 11, अगस्त। राजधानी जयपुर के नजदीक कानोता बांध में रविवार शाम 5 युवक डूब गए, जबकि उनका एक साथी सुरक्षित बाहर निकल गया। जानकारी मिलने पर एस.डी.आर.एफ. और सिविल डिफेंस की टीम मौके पर पहुंची। इसके बाद रैस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया गया। देर रात दो युवकों के शव बाहर निकाल लिए गये, जबकि शेष तीन युवकों की तलाश चलती रही। ज्ञात रहे कि तेज बारिश के कारण कानोता बांध में करीब 5 दिन से पानी की चादर चल रही है।

जानकारी के मुताबिक जयपुर के शास्त्रीनगर और झोटवाड़ा के रहने वाले 6 युवक रविवार शाम कानोता बांध घूमने पहुंचे थे। सभी दोस्त नहाने लग गए, तभी एक युवक का पैर पाल पर फिसल गया और वह नीचे गिर गया। इस दौरान अन्य पांच युवक भी पानी में गिर गए। इनमें से एक युवक बाहर निकल

हादसे की सूचना के बाद एस.डी.आर.एफ. और सिविल डिफेंस टीम ने मौके पर पहुंचकर सर्च अभियान शुरू किया, देर रात तक युवकों का कोई अता-पता नहीं चल सका था।

आया। हादसे की सूचना मिलने के बाद कानोता थाना पुलिस मौके पर पहुंची। एस.डी.आर.एफ. और सिविल डिफेंस की टीमों ने मौके पर सर्च की कार्यवाही शुरू की। बस्सी ए.सी.पी. मुकेश चौधरी ने बताया कि रविवार देर रात बांध में डूबे दो युवकों हर्ष नागौरा व अजय माहोर का शव बाहर निकाल लिया गया,

जबकि शेष तीन युवकों की तलाश में एस.डी.आर.एफ. और सिविल डिफेंस टीम जुटी रही। बताया जा रहा है कि कानोता बांध में पानी का बहाव तेज होने के कारण टीम को रैस्क्यू में परेशानी आयी।

कानोता पुलिस ने बताया कि बांध में हर्ष नागौरा (20), विनय मीना (22), विवेक माहोर (22), अजय माहोर (22) और हरकेश मीना (24) डूब गए। वहीं, उनका एक साथी राज बूजवासी बच गया। दोस्तों को डूबते हुए देखकर उसने आवाज लगाकर लोगों से मदद मांगी। उनकी तलाश की जा रही है। ज्ञात रहे कि इस घटना में शामिल तीनों बारिश के कारण कानोता बांध 24 साल में दूसरी बार छलका (ओवरफ्लो हुआ) है। इसकी वजह से यहां रोज बड़ी संख्या में लोग घुंघुं रहे हैं। लेकिन, सुरक्षा के पुराना इंतजाम नहीं है। इसकी (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

## मोदी ने फसलों की 109 नई किस्में जारी की

नयी दिल्ली, 11 अगस्त (वार्ता) प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को उच्च उपज देने वाली, जलवायु अनुकूल और जैव-सशक्त विभिन्न फसलों की 109 किस्में जारी की।

इस अवसर पर मोदी ने किसानों और वैज्ञानिकों से बातचीत भी की। कार्यक्रम में केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान तथा राज्य मंत्री रामनाथ ठाकुर भी मौजूद रहे।

मोदी ने 61 फसलों की 109 किस्में जारी की।

■ प्र.मंत्री मोदी ने 61 फसलों की 109 किस्में जारी की। इनमें 34 खेत की और 27 बागवानी फसलें शामिल हैं।

इनमें 34 खेत की और 27 बागवानी फसलें शामिल हैं। खेत की फसलों में बाजरा, चारा फसलें, तिलहन, दलहन, गन्ना, कपास, फाइबर और अन्य फसलों सहित विभिन्न अनाजों के बीज जारी किए। बागवानी फसलों में फूलों, सब्जियों, बागान फसलों, कंद फसलों, मसालों, फूलों और औषधीय फसलों की विभिन्न किस्में जारी हुईं। प्रधानमंत्री ने कहा कि नयी फसल किस्म से कृषि में मूल्य संवर्धन होगा।

उन्होंने मोटे अनाज का उल्लेख किया और कहा कि लोग पोषक खानपान की ओर आकर्षित हो रहे हैं। श्री मोदी ने प्राकृतिक खेती के लाभों के बारे में बात (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

## 'अडानी ग्रुप घोटाले की जांच के लिए जाँइन्ट पार्लियामेंट्री कमेटी जांच की जरूरत है'

कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने कहा कि जब तक इस मामले में अगर जे.पी.सी. जांच नहीं होती है तब तक यह संदेह बना रहेगा कि देश की संवैधानिक संस्थाओं की अस्मिता से समझौता करके मोदी अपने सहयोगियों को बचाते रहेंगे

नई दिल्ली, 11 अगस्त। अमेरिकी शॉर्ट-सेलर कंपनी हिंडनबर्ग रिसर्च सेबी की अध्यक्ष माधवी बुच के खिलाफ लगाए गए आरोपों के मद्देनजर कांग्रेस प्रमुख मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि इस बड़े घोटाले की जांच के लिए संयुक्त संसदीय समिति (जे.पी.सी.) के गठन की जरूरत है। खड़गे ने आरोप लगाया कि जब तक जेपीसी इस मुद्दे की जांच नहीं करती, तब तक यह चिंता बनी रहेगी कि पिछले सात दशकों में कड़ी मेहनत कर बनाई गई भारत की संवैधानिक संस्थाओं से समझौता करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपने सहयोगियों को बचाते रहेंगे। कांग्रेस ने कहा

कि सरकार को अडानी समूह की नियामक की जांच में सभी हितों के टकराव को खत्म करने के लिए तुरंत कार्रवाई करनी चाहिए। उन्होंने मामले की संयुक्त संसदीय समिति से जांच कराने की अपनी मांग दोहराई।

■ खड़गे ने एक्स पर लिखा, जनवरी 2023 की हिंडनबर्ग रिपोर्ट के खुलासे के बाद सेबी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सहयोगी अडानी को उच्चतम न्यायालय में क्लीन चिट दे दी थी। हालांकि, सेबी प्रमुख से जुड़े एक लेन-देन के बारे में नए आरोप सामने आए हैं।

■ खड़गे ने कहा कि मध्यम वर्ग के छोटे और मध्यम निवेशकों को संरक्षण दिए जाने की जरूरत है क्योंकि वे अपनी मेहनत की कमाई शेयर बाजार में लगाते हैं।

खड़गे ने एक्स पर लिखा, जनवरी 2023 की हिंडनबर्ग रिपोर्ट के खुलासे के बाद सेबी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सहयोगी अडानी को उच्चतम न्यायालय में क्लीन चिट दे दी थी। हालांकि, सेबी प्रमुख से जुड़े एक लेन-देन के बारे में नए

आरोप सामने आए हैं। उन्होंने कहा कि मध्यम वर्ग के छोटे और मध्यम निवेशकों को संरक्षण दिए जाने की जरूरत है क्योंकि वे अपनी मेहनत की कमाई शेयर बाजार में लगाते हैं और उनका सेबी पर भरोसा है। खड़गे ने कहा कि इस बड़े घोटाले की

जांच संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) से कराना आवश्यक है। कांग्रेस प्रमुख ने कहा, तब तक यह चिंता बनी रहेगी कि पिछले सात दशकों में कड़ी मेहनत कर बनाई गई भारत की संवैधानिक संस्थाओं से समझौता करते हुए, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपने सहयोगियों को बचाते रहेंगे।

हिंडनबर्ग ने आरोप लगाया है कि सेबी की अध्यक्ष माधवी बुच और उनके पति के पास कथित अडानी धन हेराफेरी फिलसल गया और वह नीचे गिर गया। इस दौरान अन्य पांच युवक भी पानी में गिर गए। इनमें से एक युवक बाहर निकल

## अडानी के शेयरों के निवेशक अपनी गाड़ी कमाई खो देते हैं तो उसका जिम्मेदार कौन?

राहुल गांधी ने हिंडनबर्ग की नई रिपोर्ट में सेबी अध्यक्ष और अडानी ग्रुप के बीच मिलीभगत के खुलासे के मामले में यह सवाल पूछा

नई दिल्ली, 11 अगस्त। अमेरिकी की शॉर्ट-सेलर कंपनी हिंडनबर्ग रिसर्च की नई रिपोर्ट को लेकर राहुल गांधी ने सरकार को आड़े हाथों लिया है। राहुल गांधी ने एक वीडियो शेयर कर पूछा है कि सेबी की अध्यक्ष माधवी पुरी बुच पर लगाए गए आरोपों के बाद यदि निवेशक अपनी गाड़ी कमाई खो देते हैं, तो किसे जवाबदेह किसे उधरया जाएगा? राहुल गांधी इस मामले में राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री मोदी, सेबी अध्यक्ष और उद्योगपति गौतम अडानी को भी लपेटा है।

राहुल गांधी के पूछा कि सेबी की अध्यक्ष माधवी पुरी बुच पर लगाए गए आरोपों के बाद उन्होंने अभी तक इस्तीफा क्यों नहीं दिया है। इसके अलावा राहुल गांधी ने कहा कि नए और गंभीर आरोपों को देखते हुए क्या सुप्रीम कोर्ट इस मामले में स्वतः संज्ञान लेगा? इसके साथ ही राहुल गांधी ने सवाल किया है कि अगर निवेशकों का पैसा डूब जाता है, तो इसकी जिम्मेदारी कौन लेगा-प्रधानमंत्री मोदी, माधवी पुरी बुच या गौतम अडानी।

■ राहुल गांधी के पूछा कि सेबी की अध्यक्ष माधवी पुरी बुच पर लगाए गए आरोपों के बाद उन्होंने अभी तक इस्तीफा क्यों नहीं दिया है। इसके अलावा राहुल गांधी ने कहा कि नए और गंभीर आरोपों को देखते हुए क्या सुप्रीम कोर्ट इस मामले में स्वतः संज्ञान लेगा?

■ राहुल गांधी ने सवाल किया है कि अगर निवेशकों का पैसा डूब जाता है, तो इसकी जिम्मेदारी कौन लेगा-प्रधानमंत्री मोदी, सेबी की अध्यक्ष माधवी बुच या फिर गौतम अडानी।

■ राहुल गांधी ने इस मामले में जाँइन्ट पार्लियामेंट्री कमिटी की जांच का जिक्र करते हुये कहा कि "प्रधानमंत्री मोदी एक जाँइन्ट पार्लियामेंट्री कमिटी जांच से डरते हैं और इस मामले का खुलासा क्यों नहीं हो रहा है, यह अब स्पष्ट हो चुका है।"

जाँइन्ट पार्लियामेंट्री कमिटी की जांच का जिक्र करते हुए राहुल गांधी ने सरकार पर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि सरकार को अडानी ग्रुप की एक जाँइन्ट पार्लियामेंट्री कमिटी जांच से डरते हैं और इसका खुलासा क्यों नहीं

हो रहा है, यह अब स्पष्ट हो चुका है।" राहुल गांधी के बयान से पहले कांग्रेस ने इस मामले में रविवार को कहा कि सरकार को अडानी ग्रुप की विनायक द्वारा की गयी जांच में हितों के सभी टकरावों को तत्काल दूर करना

चाहिए कांग्रेस ने इस मामले की संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) से जांच कराने की अपनी मांग भी दोहराया।

विपक्षी पार्टी ने यह भी कहा कि 'देश के शीर्ष अधिकारियों की कथित मिलीभगत' का समाधान केवल इस 'घोटाले' के पूरे दायरे की जांच के लिए एक संयुक्त संसदीय समिति गठित करके ही किया जा सकता है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि सेबी ने उच्चतम न्यायालय के समक्ष मोदी जी के करीबी मित्र अडानी को हिंडनबर्ग के जनवरी 2023 के खुलासों में 'क्लीनचिट' दी थी। उन्होंने कहा कि हालांकि, सेबी प्रमुख से जुड़े 'परस्पर फायदा पहुंचाने' के नए आरोप सामने आए हैं।

खड़गे ने एक्स पर कहा, "मध्यम वर्ग से संबंधित छोटे और मध्यम निवेशकों, जो अपनी मेहनत की कमाई शेयर बाजार में निवेश करते हैं, को संरक्षित करने की आवश्यकता है, क्योंकि वे सेबी पर विश्वास करते हैं।" उन्होंने कहा, "जब तक इस महा-

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)



## विचार बिन्दु

ज्ञानी जन विवेक से सीखते हैं, साधारण मनुष्य अनुभव से, अज्ञानी पुरुष आवश्यकता से और पशु स्वभाव से। -कौटिल्य

## छात्रसंघ चुनाव : दिल के खुश रखने को खयाल अच्छा है!

राजस्थान में इन दिनों शिक्षण संस्थाओं में छात्र संघ चुनाव करवाने की मांग ज़ोर-शोर से की जा रही है। विभिन्न राजनीतिक दलों के नेतागण, और विभिन्न राजनीतिक दलों से संबद्ध विद्यार्थी संगठन भी इसी तरह की मांग करते हुए आंदोलित हैं। बहुत रोचक बात यह है कि राजस्थान में अशोक गहलोत के नेतृत्व वाली पिछली सरकार ने वर्ष 2023 में छात्र संघ चुनाव न कराने का फैसला किया था। तब प्रदेश भर के विश्वविद्यालयों के कुलपतियों ने नई शिक्षा नीति 2020 लागू करने के साथ ही विश्वविद्यालयों में चल रही प्रवेश और परीक्षा प्रक्रिया का हवाला देते हुए छात्रसंघ चुनाव पर रोक लगाने की सलाह दी थी। इस सलाह को राज्य सरकार ने स्वीकार कर लिया था और तदनुसार उच्च शिक्षा विभाग ने एक आदेश में यह भी कहा था कि छात्र संघ चुनावों में धनबल और बाहुबल का खलल उपयोग किया जा रहा है, जो लिंगदोह कमिटी की सिफारिशों का उल्लंघन है। इस आदेश में यह भी कहा गया था कि यदि चुनाव कराए जाते हैं तो पढ़ाई प्रभावित होगी और राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत सेमेस्टर सिस्टम लागू नहीं हो सकेगा। बहुत रोचक बात है कि इसके लगभग एक बरस बाद, जब राजस्थान में कांग्रेस की नहीं, भाजपा की सरकार बन चुकी है और अशोक गहलोत का पदमन भूतपूर्व मुख्यमंत्री हो गया है, वे कह रहे हैं कि छात्रसंघ के चुनाव करवाए जाने चाहिये क्योंकि छात्र संघ राजनीति की पहली पाठशाला होते हैं और इनके चुनाव करवाने से विद्यार्थियों में लोकतंत्र और संविधान के प्रति जागरूकता आती है। हमारे यहां राजनीति की जो रिवाजत है उसके चलते यह आश्चर्यजनक नहीं लगता है कि जब आप किसी पद पर होते हैं तो आपका कर्म अलग होता है और जब आप पद पर नहीं होते हैं तो आपके विचार उसके एकदम विपरीत होते हैं। लेकिन यह बात बड़ी रोचक लग रही है कि जहां राज्य की सरकार छात्र संघ चुनाव को लेकर कुछ भी कहने से बच रही है वहीं उसके अपने दल के कई बड़े लोग खुलकर छात्र संघ चुनाव करवाने की मांग कर रहे हैं। कुछेक केंद्रीय मंत्री भी इस मांग के पक्ष में अपने बयान दे चुके हैं। जो न इधर हैं और न उधर, वे तो खुलकर इस मांग का समर्थन कर ही रहे हैं। कुल मिलाकर स्थिति यह है कि राजनीतिक दलों के लोग और राजनीति में रुचि रखने वाले विद्यार्थी छात्र संघ चुनाव की मांग कर रहे हैं और सरकार अभी इस मामले पर मौन धारण किए हुए है।

जो लोग छात्र संघ चुनाव की मांग करते हैं उनके मुख्य तर्क ये होते हैं कि इनसे विद्यार्थियों को लोकतंत्र का प्रशिक्षण मिलता है, उनमें नेतृत्व भावना का विकास होता है, उनमें से जिनमें भी राजनीति में जाने की आकांक्षा है उन्हें इस बात का प्रशिक्षण मिलता है और विद्यार्थियों को प्रशासन तक अपनी बात पहुंचाने और अपनी असुविधाओं का निवारण करवाने का एक उपयुक्त माध्यम मिलता है। इसी तरह के अन्य अनेक तर्क भी दिए जाते हैं, जैसे अशोक गहलोत जी ने कहा कि इनसे विद्यार्थियों में संविधान के प्रति जागरूकता उत्पन्न होती है। कितना अच्छा होता, अगर वे इतना और बता देते कि यह काम होता कैसे है! ऐसा नहीं है कि सारा विद्यार्थी समुदाय, सारा शैक्षिक तंत्र और सारा समाज इन चुनावों के पक्ष में ही है और इन्हें हितकारी मानता है। ऊपर हमने राजस्थान के उच्च शिक्षा विभाग के जिस आदेश का जिक्र किया है उसमें धनबल और बाहुबल की बात कह दी गई है। ऐसा तो है नहीं कि धनबल और बाहुबल का यह खेल केवल पिछले वर्ष ही खेला गया था, न तो इससे पहले खेला गया और न -अगर फिर से चुनाव हुए- इस वर्ष खेला जाएगा। जहां तक धनबल की बात है, अगर यह खेल पुराना न होता तो लिंगदोह समिति को अपनी रिपोर्ट ही नहीं देनी पड़ती। 23 मई, 2006 को जारी इस 88 पृष्ठों की रिपोर्ट पर एक नज़र डालने से ही यह बात स्पष्ट हो जाती है कि छात्रसंघ चुनावों में बहुत सारी विकृतियां आ गई थीं। अब वे विकृतियां और बढ़ी हैं, कम नहीं हुई हैं। और बावजूद इस बात के कि इस रिपोर्ट की अनुशंसाएं अभी भी प्रभावी हैं, हर कोई जानता है कि वास्तव में तो उनका पालन नहीं होता है। सिर्फ दो बातों का जिक्र यहां करना चाहूंगा। इस रिपोर्ट में यह निर्देशित किया गया है कि छात्रसंघ के चुनावों में राजनीतिक दलों का हस्तक्षेप नहीं होना चाहिए। क्या वास्तव में ऐसा हो रहा है? हर राजनीतिक दल की अपनी विद्यार्थी इकाई है

अगर पूरे देश की राजनीति को देखें और यह जानने का प्रयास करें कि कुल कितने लोग इन चुनावों से आगे आए हैं, तो जो तस्वीर उभरेगी वह बहुत चमकदार तो नहीं ही होगी। और मान लीजिए कि कुछ लोग इन चुनावों की सीढ़ियां चढ़कर विधान सभाओं या लोकसभा तक पहुंच भी गए तो यह भी देखिए कि इसके लिए हमने कितनी कीमत चुकाई है!

और वह बाकायदा टिकिट वितरित करती है। अपने प्रशासनिक अनुभव के आधार पर मैं कह सकता हूँ कि सभी राजनीतिक दलों के बड़े नेता इन चुनावों पर पैनी नज़र रखते हैं और इनमें खुलकर हस्तक्षेप करते हैं। जहां तक चुनाव पर होने वाले खर्च की बात है, लिंगदोह समिति ने अपनी अनुशंसा (6.6.1) में कहा है कि प्रत्येक प्रत्याशी के लिए खर्च की अधिकतम सीमा पांच हजार रुपये होगी। जहां तक मेरी जानकारी है, यह राशि अब भी यथावत है, इसमें कोई वृद्धि नहीं की गई है, और इसलिए हमें मान लेना चाहिए कि सारे लोग इस सीमा के भीतर खर्च करके चुनाव लड़ रहे हैं। अगर उन्होंने इससे ज़्यादा खर्च किया होता तो निश्चय ही उन पर कोई कार्रवाई हुई होती। अब जरा बाहुबल की भी बात कर ली जाए। चुनाव के दौरान, और अनेक बार उसके बाद भी विभिन्न छात्र समूह जो गैंग वॉर का मंजर प्रस्तुत करते हैं, उसे याद करके समझा जा सकता है कि इन चुनावों में बाहुबल का कैसा और कितना उपयोग होता है।

क्या ये निर्वाचित संघ विद्यार्थियों की समस्याएं दूर करवा पाते हैं? क्या उनकी दिलचस्पी ऐसा करने में होती है? मैंने बहुत लम्बे समय तक शिक्षा के क्षेत्र में काम किया है, और अब उससे निवृत्त हो जाने के बाद भी उस क्षेत्र में मेरी रुचि बनी हुई है। मैं बहुत उत्सुकतापूर्वक अखबारों को खंगालता हूँ, यह जानने के लिए कि छात्र संघों के निर्वाचित पदाधिकारी अपने शैक्षिक प्रशासन के सामने विद्यार्थियों की कौन-कौन से समस्याएं लेकर जाते हैं। मैं बहुत क्षोभ के साथ लिख रहा हूँ कि मैं ऐसे समाचार देखने-पढ़ने को तरस गया हूँ। उनकी मांग अपने लिए कमरों की, सुविधाओं की और शपथ ग्रहण समारोह में अपनी पार्टी या अपनी जाति के नेता को बुलाने की सीमा को शायद ही कभी पार करती हो। जहां बड़ा बजट होता है वहां उनकी नज़र उसके दुरुपयोग पर भी रहना अपवाद नहीं होता है। भले ही ऐसा सब न करते हों। अगर जुलाई अगस्त में चुनाव होते हैं तो दिसम्बर तक तो छात्र संघ का उद्घाटन होता है, और यदा कदा उससे पहले अध्यक्ष के कमरे के उद्घाटन का नया जुड़ा कार्यक्रम संपन्न होता है। और साल का दूसरा कार्यक्रम वार्षिक सांस्कृतिक समारोह और पुरस्कार वितरण का होता है, अगर हो पाए। प्रायः तो यह नहीं ही होता है। बस यह काम कुल मिलाकर निर्वाचित छात्र संघ करते हैं।

हां, इन चुनावों के बहाने कुछ लोग राजनीतिक दलों के नेताओं के निकट आ जाते हैं, बदले में राजनीतिक दलों को भी भावी या नए मतदाताओं तक पहुंचाने का मौका मिल जाता है। जो लोग नेताओं के निकट आते हैं उनमें से कोई-कोई आगे जाकर कुछ बन जाता है और उसी का नाम बार-बार लेकर इन छात्र संघ चुनावों को लोकतंत्र की नर्सरी कहकर संबोधित कर दिया जाता है। अगर पूरे देश की राजनीति को देखें और यह जानने का प्रयास करें कि कुल कितने लोग इन चुनावों से आगे आए हैं, तो जो तस्वीर उभरेगी वह बहुत चमकदार तो नहीं ही होगी। और मान लीजिए कि कुछ लोग इन चुनावों की सीढ़ियां चढ़कर विधान सभाओं या लोकसभा तक पहुंच भी गए तो यह भी देखिए कि इसके लिए हमने कितनी कीमत चुकाई है! शैक्षिक संस्थानों का वातावरण इनकी वजह से कितना प्रदूषित हुआ है, कितनी अशांति वहां फैली है और इन चुनावों के नाम पर हमारे संभावनाशील युवाओं ने कितनी गलत बातें सीखी हैं।

असल में कुछ बातें हैं जो कहने-सुनने-पढ़ने में बहुत भली लगती हैं, और इसीलिए उन्हें बार-बार दुहराया जाता है। लेकिन जैसा हमारे मरहम चर्चा कह गए हैं:-

हम को मालूम है जन्नत की हकीकत लेकिन दिल के खुश रखने को गालिब थे खयाल अच्छा है!

तो यह मानकर खुश हो लीजिए कि छात्र संघ के चुनाव विद्यार्थियों के लिए, शिक्षण संस्थाओं के लिए और समाज के लिए - सबके लिए बहुत हितकारी है!

-अतिथि संपादक,  
डॉ. दुर्गाप्रसाद अग्रवाल  
(शिक्षाविद और साहित्यकार)

## मेवाड़ संभाग स्तरीय प्रतिभावान सम्मान समारोह में पांच सौ से अधिक प्रतिभाएं सम्मानित

भीलवाड़ा, (निसं)। राजस्थान प्रदेश माली (सेनी) महासभा एवं माली सैनी समाज कर्मचारी एवं अधिकारी विकास संस्था के संयुक्त तत्वाधान में माली समाज का भीलवाड़ा शहर में नगर परिषद स्थित टाउन हॉल में मेवाड़ संभाग का प्रतिभावान सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस समारोह में 500 से भी अधिक प्रतिभाओं सहित समाज के कर्मचारियों, भामाशाहों एवं जन प्रतिनिधियों का सम्मान किया गया।

समारोह के मुख्य अतिथि राजस्थान सरकार के सामाजिक अधिकारिता एवं न्याय विभाग के केबिनेट मंत्री अविनाश गहलोत ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि आज के युवाओं का आईक्यू ही नहीं बढ़ा है, बल्कि वे शिक्षा के क्षेत्र में भी आगे बढ़ रहे हैं। अब विद्यार्थियों के 100 में से 100 नंबर आ रहे हैं। उनकी होशियारी भी बढ़ी है और दिमाग भी तेज हुआ है। उन्होंने यह भी कहा कि माली समाज के लोग मेहनती होने के साथ शिक्षा व अन्य क्षेत्र में भी अपने झण्डे गाढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षा से परिवार ही संस्कारित नहीं होता बल्कि देश का भी विकास होता है।



सामाजिक अधिकारिता एवं न्याय विभाग मंत्री अविनाश गहलोत ने प्रतिभाओं को सम्मानित किया।

उन्होंने समाज के लोगों से कुरीतियों दूर करने का आह्वान किया और कहा कि अपने समाज की कुरीतियों खुद मिलाएं। समारोह की अध्यक्षता बांदीकुई विधायक भागचंद सैनी ने की। विशिष्ट अतिथि माण्डल विधायक उदयलाल भडगणा, राजस्थान प्रदेश माली सैनी महासभा के प्रदेश अध्यक्ष ताराचंद गहलोत, महात्मा फूले राष्ट्रीय संस्थान के अध्यक्ष अनुभव चंदेल, मोतीलाल सांखला, माली सैनी समाज कर्मचारी

अधिकारी विकास संस्था के प्रदेश अध्यक्ष सुरेश सैनी, पूर्व अध्यक्ष हनुमान प्रसाद सैनी, महासचिव मदनलाल सैनी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुशील सैनी एवं औरकार माली थे। राजस्थान प्रदेश माली (सेनी) महासभा के प्रदेश महामंत्री गोपाल लाल माली ने सम्मानित होने वाली सभी प्रतिभाओं को सम्मान के लिए बधाई देते हुए उनसे आग्रह किया कि वो हमेशा शिक्षा व सामाजिक क्षेत्र में आगे बढ़कर समाज का नाम रोशन

करें। साथ ही संबोधित करते हुए समाज की तरफ से यह पीड़ा भी उजागर की कि भीलवाड़ा में माली समाज के लाखों वोट होने के साथ ही राजनीतिक नियुक्तियों व पार्टियों में प्रतिनिधित्व न के बराबर है।

समारोह की शुरुआत महात्मा फूले व सावित्री बाई फूले की प्रतिमा पर दीप प्रज्वलन के साथ हुई। तत्पश्चात् समाज के बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। समारोह

■ शिक्षा से परिवार ही संस्कारित नहीं होता बल्कि देश का भी विकास होता है : अविनाश गहलोत

में समाज के कई होनहार प्रतिभाओं को नकद पुरस्कार भी दिया गया। सम्मान होने वाली प्रतिभाओं में 10वीं कक्षा के 74, 12वीं कक्षा के 124, स्नातक, स्नातकोत्तर की 26 व खेल एवं राजनीतिक नियुक्तियों में चयनित 90 व सांस्कृतिक प्रस्तुतियों में श्रेष्ठ 30 प्रतिभाओं के साथ-साथ 150 से अधिक भामाशाहों व समाजसेवियों का सम्मान किया गया, जिनमें प्रमुख रूप से उदयलाल माली, सत्यनारायण डाबला, पांचू लाल माली, लादू लाल रागस्था, हरिश गहलोत, शंभूलाल माली, योगेश गहलोत, मुस्लीमर सैनी, कन्हैयालाल माली, सम्पत माली, राजू माली, सीता देवी सैनी, नारायण लाल माली शामिल हैं। समारोह में भीलवाड़ा जिले सहित चित्तौड़गढ़, राजसमंद, उदयपुर, अजमेर, पाली सहित आस-पास के जिलों से हजारों की संख्या में लोग पहुंचे।

## टीबा बसई में खेल मैदान की भूमि पर अतिक्रमण को लेकर युवाओं व ग्रामीणों में आक्रोश

गांव के युवाओं ने चंदा एकत्रित कर वर्ष 2017 में जोहड़ को खेल मैदान का रूप दिया था

खेतड़ी, (निसं)। खेतड़ी उपखंड के टीबा बसई के खेल मैदान पर अतिक्रमण को लेकर ग्रामीणों में आक्रोश पनप रहा है। रविवार को युवाओं ने खेल मैदान में एकत्रित होकर प्रशासन से मैदान की सीमा ज्ञान करवाने की मांग की है।

युवाओं ने बताया कि पिछले जोहड़ स्कूल के नाम से कटा हुआ खेल मैदान था। गांव के युवाओं ने आमजन से चंदा एकत्रित कर वर्ष 2017 में जोहड़ को खेल मैदान का रूप दिया, जिसके बाद खेल मैदान में युवा सेना की तैयारी तथा खेलों में भाग लेने की तैयारी कर रहे हैं। राज्य सरकार की ओर से टीबा गांव में शहीद श्याम गुर्जर राजकीय स्कूल की नई बिल्डिंग बनाने की स्वीकृति दी है, जिसका कुछ दिन पहले ही विधायक की ओर से शिलान्यास भी किया गया है।

युवाओं ने बताया कि स्कूल प्रबंधन व टेकेदार के द्वारा बनाए गए नक्शे में खेल मैदान स्कूल भवन के अंदर आ रहा है तथा मैदान का आधा हिस्सा स्कूल भवन की नई बनने वाली बिल्डिंग में चला जाएगा। खेल मैदान



युवाओं ने खेल मैदान में एकत्रित होकर प्रशासन से मैदान की सीमा ज्ञान करवाने की मांग की।

के सामने खाली जगह पड़ी हुई है। इसके बावजूद भी खेल मैदान में स्कूल भवन को बनाने का प्रयास किया जा रहा है। यदि प्रशासन युवाओं के हितों

को ध्यान में रखते हुए मैदान के सामने खाली जगह में स्कूल भवन बनाया जाए तो युवाओं को तैयारी करने के लिए खेल मैदान बच सकता है।

युवाओं ने बताया कि खेल मैदान को लेकर ग्रामीणों की ओर से तहसीलदार व अन्य प्रशासनिक अधिकारियों को अवगत भी करवाया

■ युवाओं ने खेल मंत्री व तहसीलदार को पत्र भेजकर खेल मैदान की सीमा ज्ञान व खाली जगह में स्कूल भवन बनाने की मांग की

जा चुका है, लेकिन स्कूल प्रबंधन व टेकेदार खेल मैदान में भवन बनाने पर अड़े हुए हैं। इस दौरान युवाओं ने खेल मंत्री व तहसीलदार को पत्र भेजकर खेल मैदान की सीमा ज्ञान व खाली जगह में स्कूल भवन बनाने की मांग की है। युवाओं ने बताया कि यदि जल्द ही प्रशासन ने मामले को गंभीरता से नहीं लिया तो युवाओं की ओर से खेल मैदान बचाने के लिए आंदोलन किया जाएगा।

इस मौके पर रामकिशन, मायाराम, महेंद्र सिंह, लवणान, अंकित, अजीत, राजेंद्र, संदीप, अनूप, आजाद, विक्रम, दीपेंद्र, सोनू, मयंक, कुलदीप, विनोद कुमार, प्रदीप, सत्यवीर, शैलेश, सुनील, लोकेश सहित अनेक ग्रामीण मौजूद थे।

## सांभर का पांच सौ वर्ष पुराना चारभुजानाथ का मंदिर गिरने के कगार पर

सांभरझील, (निसं)। सांभर का 500 वर्ष पुराना चारभुजा नाथ का मंदिर गिरने के अंतिम कगार पर है। प्रदेश में मानसून चरम पर है। मंदिर की दीवारें लगातार कमजोर हो चली हैं और कभी भी पूरी तरह से मंदिर गिरकर खंडर में तब्दील हो सकता है, लेकिन तमाम जानकारी होने के बावजूद जिम्मेदार लोगों ने अपनी चुप्पी साध रखी है। यहां के चारभुजा नाथ मंदिर के सामने स्थित सार्वजनिक चौक निर्माण के लिए पूर्व विधायक निर्मल कुमारवत की अनुशंसा पर 10 लाख रुपये का बजट निवर्तमान सरकार की ओर से मंजूर किए जाने तथा इसकी प्रशासनिक और वित्तीय स्वीकृति मिलने के बाद भी करीब एक साल से यह मामला अटका पड़ा है।

जिला परिषद जयपुर के अधिशाषी अभियंता के.सी. मोना ने 1 अगस्त 2023 को यहां के लोकल बांडी को पत्र जारी कर इसकी तकलीला रिपोर्ट मांगवाई गई थी, ताकि बजट की प्रक्रिया को अंजाम दिया जा सके। प्राप्त जानकारी के अनुसार एक वर्ष की कालावधि के



सांभर में जीर्णोद्धार के अभाव में चारभुजानाथ का मंदिर गिरने के कगार पर है।

दौरान प्रशासनिक व वित्तीय स्वीकृति मिलने के बाद भी लापरवाही के चलते यह कार्य अटका पड़ा है। भाजपा मंडल अध्यक्ष जितेंद्र धारंग ने बताया कि मैंने खुद ने कई बार नगर पालिका के अधिशाषी अधिकारी से मिलकर

इस प्रक्रिया को पूरा करवा दिया था और निर्माण कार्य के लिए टेंडर भी हो चुका है। अब समझ में नहीं आ रहा है इसके बाद भी काम चालू करने में आखिर दिक्कत क्या है। यह बताना जरूरी है कि जिस जगह चौक का

निर्माण होना है, उसके ठीक सामने 500 वर्ष पुराना चारभुजा नाथ का प्राचीन मंदिर है जो कुछ माह पहले भी 30 प्रतिशत ढह गया था और लगातार दरक रहा है।

जानकारी के अनुसार निवर्तमान

■ जानकारी होने के बावजूद जिम्मेदारों ने अपनी चुप्पी साध रखी है

सरकार की ओर से पर्यटन व पुरातत्व विभाग के माध्यम से यहां के धार्मिक स्थलों के जीर्णोद्धार के लिए करोड़ों रुपये का बजट जारी किया था, लेकिन इस प्राचीन मंदिर के रखरखाव और जीर्णोद्धार को पूरी तरह से गौण कर दिया गया, जिसका यहां के लोगों ने विरोध किया तो बाद में विधायक निर्मल कुमारवत के दबाव में थोड़ा बहुत काम हुआ, लेकिन पुरातत्व विभाग इसमें भी लोपापोती करके चला गया, यानी की वास्तविक रूप में जो काम होना चाहिए था वह हुआ ही नहीं। अब हालात यह है कि यहां के पुजारी राजेंद्र व्यास अब सुबह शाम मंदिर में पूजा-अर्चना के लिए जाते हैं तो सबसे पहले भगवान से दुआ करते हैं कि वह सुरक्षित वापस बाहर आ जाए। पालिका ने अपने स्तर पर इस मंदिर को लेकर कुछ ऐसा काम नहीं किया जो सारानीय रहा हो।



### राशिफल

सोमवार 12 अगस्त, 2024

सावन मास, शुक्ल पक्ष, सप्तमी तिथि, सोमवार, विक्रम संवत् 2081, स्वाती नक्षत्र प्रातः 8:33 तक, शुक्ल योग सांय 4:25 तक, वणिज करण प्रातः 7:56 तक, चन्द्रमा आज रात्रि 4:15 से वृश्चिक राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-कर्क, चन्द्रमा-तुला, मंगल-वृष, बुध-सिंह, गुरु-वृष, शुक-सिंह, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज यमघट योग प्रातः 8:32 से सूर्योदय तक है। भद्रा प्रातः 7:56 से रात्रि 8:44 तक रहेगी। आज सप्तमी तिथि में वृद्धि हुई है। आज दुर्वाष्टम व्रत और चतुर्थ सावन वन सोमवार व्रत है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: अमृत सूर्योदय से 7:38 तक, शुभ 9:16 से 10:54 तक, चर 2:10 से 3:47 तक, लाभ-अमृत 3:47 से सूर्यास्त तक। राहूकाल: 7:30 से 9:00 तक। सूर्योदय 6:01, सूर्यास्त 7:03

**मेघ**  
व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेगी। चलते कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक यात्रा संपन्न होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं।

**तुला**  
व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य में सुधार होगा।

**वृष**  
स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। अनहोनी की आशंका से बना हुआ मन का भय समाप्त होगा। विवाहित मामलों से राहत मिल सकती है। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

**वृश्चिक**  
अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। मन में असंतोष बना रहेगा। घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि होगी।

**मिथुन**  
परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं। व्यावसायिक यात्रा संपन्न हो सकती है। मातृत्व में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा।

**धनु**  
आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में शुभ संदेश प्राप्त होगा। अटके हुए कार्य बनने लगेगी।

**कर्क**  
घर-परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी और परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। परिवार में महत्वपूर्ण मामलों से राहत मिल सकती है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

**मकर**  
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेगी। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

**सिंह**  
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। व्यावसायिक सफलता से मनोबल बढ़ेगा।

**कुंभ**  
धार्मिक स्थान की यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है। धार्मिक-मांगलिक कार्यों में भाग ले सकते हैं। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

**कन्या**  
आर्थिक कार्यों से अटके हुए कार्य बनने लगेगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक यात्रा संपन्न होगी। घर-परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं।

**मीन**  
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। यात्रा में परेशानी हो सकती है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।







# मूसलाधार बारिश से प्रदेश के कई जिलों में बाढ़ जैसे हालात

राजस्थान के भरतपुर, जयपुर, अलवर, करौली, गंगापुरसिटी, हिण्डौन, चौमूं सहित कई शहरों व गांवों में तेज बरसात हुई

## पांचना बांध के छह गेट खोलकर गम्भीर नदी में 35 हजार क्यूसेक पानी छोड़ा

## भरतपुर में तीन इंच बारिश दर्ज, घरों में दो फीट तक पानी भरा

भरतपुर, (निर्स)। अधिक वर्षा के कारण करौली जिले से निकलने वाली गम्भीर नदी में पांचना बांध से छह गेट खोलकर 35 हजार क्यूसेक पानी छोड़ा गया है। इसके चलते जिले के बयाना एवं रूपवास तहसील के गम्भीर नदी के तटीय क्षेत्र में बसे गांवों के नागरिकों को इस दौरान नदी के बहाव क्षेत्र में नहीं जाने की अपील की गई है।

जिला कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट डॉ. अमित यादव ने बताया कि गम्भीर नदी में पांचना बांध से पानी छोड़े जाने के कारण नदी के तटीय क्षेत्रों में बसे गांवों के नागरिकों को सावधान रहने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने बताया कि सम्बंधित गांवों में स्थानीय पटवारी, ग्राम विकास अधिकारी एवं आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के माध्यम से लोगों को सूचित कर पानी के तेज बहाव को देखते हुए नदी के बहाव क्षेत्र में नहीं जाने के लिए पारबंद किया है। उन्होंने बताया कि लगातार वर्षा की चैतावनी को देखते हुए नदी के तटीय क्षेत्र के सभी गांवों को अपने पशुधन को भी नदी के आसपास नहीं छोड़ने की अपील की है। उन्होंने आमजन को नदी के बहाव क्षेत्र में पानी की आवक को देखते हुए संसाधनों को बहाव क्षेत्र से



पांचना बांध से पानी छोड़ने से गम्भीर नदी में पानी की आवक हुई।

हटाने, महिलाओं, बच्चों को इस दौरान नदी के आसपास नहीं जाने देने के लिए आह्वान किया है। जिला कलेक्टर ने लगातार बरसात की

■ बयाना एवं रूपवास तहसील के गम्भीर नदी के तटीय क्षेत्र में बसे गांवों के नागरिकों को नदी के बहाव क्षेत्र में नहीं जाने की अपील

■ एसडीआरएफ की टीम, जल संसाधन विभाग, पंचायतीराज विभाग, चिकित्सा विभाग एवं उपखण्ड प्रशासन रूपवास एवं बयाना को मय आवश्यक संसाधनों के अलर्ट मोड पर रहने के निर्देश

चेतावनी एवं गम्भीर नदी में पांचना बांध से पानी छोड़े जाने को देखते हुए एसडीआरएफ की टीम, जल संसाधन विभाग, पंचायतीराज विभाग, चिकित्सा विभाग एवं उपखण्ड प्रशासन रूपवास एवं बयाना को मय

आवश्यक संसाधनों के अलर्ट मोड पर रहने के निर्देश दिए हैं।

अधीक्षण अभियंता जल संसाधन देवीसिंह बेनीवाल ने बताया कि गम्भीर नदी में पानी की अधिक आवक होने पर तहसील बयाना के चीखरू, पोपरिया, धुरी, मावली, महारावर, नहरौली, चक बीछी, सिंघाडा, शींदपुर, नदी का गांव प्रभावित होंगे तथा तहसील रूपवास में दाहिना गांव, महलपुर काछी, मुरिका, कांघौली, दोलतगढ़, सिकरौदा, पिचुना, रसीलपुर, मिल्सवा, देवरी, पांडी, मैरथा गांव प्रभावित होंगे।

अधीक्षण अभियंता जल संसाधन देवीसिंह बेनीवाल ने बताया कि अजान बांध के पास बसे हुए गांव सैदपुर, हरिनगर, नगला कल्याणपुर, अघापुर, अजान इत्यादि में भी आमजन को सतर्क रहने हेतु स्थानीय कार्मिकों के माध्यम से मुनादी करा दी गई है। उन्होंने बताया कि नदी, कैनाल में निर्मित रपट-नदीगांव-सालाबाद रोड पर नदीगांव के पास स्थित, चौखण्डा लहचारा मार्ग, सेवला, सैदपुर-बयाना मार्ग, बयाना थानाडांग रोड (गज घाट), इंटर-खेड़ा-चीखरू मार्ग पर आमजन एवं स्कूलों बच्चों को नदी पर नहीं करने के लिए आगाह किया गया है।



भरतपुर में भारी बारिश से दर्जनों कॉलोनियों में पानी भर गया।

भरतपुर, (निर्स)। पिछले तीन दिनों से बरसात का दौर जारी है। बरसात के चलते जन जीवन बुरी तरह से प्रभावित हुआ है। बताया गया है कि रविवार को करीब तीन इंच बारिश दर्ज की गई। भारी बारिश की संभावना को देखते हुए जिला कलेक्टर ने कक्षा एक से बारहवीं तक के विद्यार्थियों के समस्त राजकीय व निजी स्कूलों में एक दिन का अवकाश घोषित किया है। शहर की दर्जनों कॉलोनियों

जलभराव को समस्या से जूझ रही है। कई कॉलोनियों में बरसात के चलते जलभराव के कारण बरसात का पानी घरों में दो-दो फीट तक घुस गया। नगर निगम के आयुक्त के निर्देश पर कई कॉलोनियों में पम्प लगाकर पानी निकालने की कवायद की जा रही है। बरसात से शहर के निचले क्षेत्रों में सूरजमल नगर, श्याम नगर, राम नगर, रूथिया नगर, वासन गेट नमक कटारा, सुभाष नगर, विजय नगर, नीमदा गेट,

अटल बंद, सिमको लेवर कॉलोनी व शहर के बाजार में सभी जगह पानी से सड़कें नदी के समान नजर आ रही हैं। जिन घरों में जमीन से पानी निकला उन घरों में खाना बनाने तक की जगह नहीं बची। बच्चे भयभीत हो गये। बच्चों की किताबें पानी से भीग गईं। अधिकांश घरों में पानी को निकालने के लिए टिल्लू व मोटर्स से निकाल रहे थे। वहीं नगर निगम आयुक्त व सीएसआई ने मौका मुआयना किया।

## बारिश के बाद मकान ढहा, पिता-पुत्र की मौत

करौली, (निर्स)। करौली क्षेत्र में हुई मूसलाधार बारिश के कारण करौली शहर में करीब आधा दर्जन मकान, दुकान, भवन और दीवार क्षतिग्रस्त हो गईं। मकान के ढहने से पिता-पुत्र की मौत हो गई और दो लोग घायल हो गए। घायलों को उपचार के लिए करौली अस्पताल में भर्ती कराया है। जबकि मृतकों के शव कर पोस्टमार्टम पर जिनो के सुपुर्द कर दिया। सूचना पर सिविल डिफेंस और पुलिस टीम मौके पर पहुंची तथा घटना की जानकारी और क्षतिग्रस्त घर में फंसे लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला। करौली शहर चौकी प्रभारी महेश शर्मा ने बताया कि नदी दरवाजा क्षेत्र स्थित फराजपाड़ा में सुबह करीब 5:30 बजे एक पुराने मकान में बनी नाली दीवार सहित दूसरे मकान पर गिर गई, जिससे घर की छत की पट्टियां टूट गईं और वहां सो रहे लोग दब गए। आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर एकत्रित हो गए और घर में

फंसे लोगों को बाहर निकाला। इस दौरान पुलिस चौकी पर भी सूचना दी। घायल लोगों को करौली अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टर ने जांच के बाद जाकिर पुत्र छोटे और जिया पुत्र जाकिर को मृत घोषित कर दिया, जबकि राशिद पुत्र सईद और शौकीन का करौली अस्पताल में उपचार चल रहा है। बारिश के कारण इसी प्रकार बड़ी हटरीया क्षेत्र स्थित भट्टन की गली में एक दीवार गली के दूसरी ओर स्थित निजी स्कूलों पर जा गिरी। जिससे स्कूल भी क्षतिग्रस्त हो गया और रास्ता अवरुद्ध हो गया। छुट्टी का दिन होने के कारण बड़ा हादसा टल गया। इसी प्रकार चौकना फर्श क्षेत्र में अनुपयोगी पड़ी नंबर 6 स्कूल का भवन क्षतिग्रस्त हो गया। चौबेपाड़ा के नीचे एक मकान क्षतिग्रस्त हो गया घर क्षतिग्रस्त होने से मलबे में दो-तीन मोटरसाइकिल भी दब गईं। इसी प्रकार चौधरी पाड़ा क्षेत्र में एक दुकान की दीवार भी क्षतिग्रस्त हो गई।

## अलवर में लगातार हो रही बारिश ने 20 साल का रिकॉर्ड तोड़ा

विश्व प्रसिद्ध सिलीसेठ बांध में 25 फीट पानी आ चुका है, इस बांध की भराव क्षमता 28 फीट है

अलवर, (निर्स)। अलवर जिले में लगातार हो रही बारिश ने करीब 20 साल का रिकॉर्ड तोड़ दिया है जिले में चारों तरफ नदी-नालों में उफान है। सरिस्का क्षेत्र व अरावली की पहाड़ियों पर हुई भारी बरसात ने अलवर जिले की इस मानसून की भरपाई कर दी है। प्रशासन व पुलिस अलर्ट मोड पर आ चुके हैं। लोगों को जल बहाव क्षेत्र पर जाने से पुलिस रोक रही है ताकि कोई अनहोनी ना हो जाए। अभी अलवर को मौसम विभाग ने यलो अलर्ट घोषित किया हुआ है। अगले तीन-दिन और भारी बारिश के संकेत दिए गए हैं। अगर ऐसी ही बारिश हो गई तो अलवर में तबाही भी आ सकती है।



बरसात होने से अलवर के बांधों में पानी की आवक हुई।

लिए जनता हाहाकार करती थी। अब इतना पानी तालाबों और बांधों में आ

चुका है जिससे अलवर की जनता को भटकना नहीं पड़ेगा। अलवर की वो नदियां इस बार कलकलती बह

■ भारी बारिश से अलवर में नदी-नालों में उफान आया, दो बांध ओवरफ्लो हुये

■ अलवर में यलो अलर्ट के चलते पुलिस व प्रशासन ने अनहोनी के डर से नदी-नालों पर सैलानियों को जाने से रोका

रही है। अब तक इस बांध में साढ़े आठ फीट पानी आ चुका है, इसकी भराव क्षमता 23 फीट है। वहीं विश्व प्रसिद्ध सिलीसेठ बांध में 25 फीट पानी आ चुका है। इस बांध की भराव क्षमता 28 फीट है। सिंचाई विभाग के एक्सईएन संजय खत्री ने बताया कि अगर ऐसे ही बारिश हुई तो जल्दी ही सिलीसेठ में काफी सालों बाद चादर चल सकती है।

जबकि जिले में दो बांध जेतपुर और मानसरोवर ओवर फ्लो हो चुके हैं। जबकि रूपारेल नदी में पानी का बहाव सात से आठ फीट चल रहा है। शाम पांच बजे तक सिलीसेठ में 44एमएम बारिश दर्ज की गई। रविवार के दिन छुट्टी का आनंद लेने लोग पिकनिक मनाने सिलीसेठ, जयसाबंध, सागर और किशनकुण्ड पर भारी संख्या में देखे गए। वहीं भारी बरसात के चलते पुलिस प्रशासन ने लोगों बहाव क्षेत्रा पर जाने से रोक लिया।

## करौली में लोगों ने छतों पर जाकर जान बचाई

करौली, (निर्स)। करौली जिला मुख्यालय पर लगातार दूसरे दिन मूसलाधार बारिश का कहर जारी रहा। इस दौरान शहर कि करीब एक दर्जन गली, मोहल्ले और कॉलोनियों में जल भराव हो गया। इस दौरान करीब तीन दर्जन लोगों को सिविल डिफेंस, एसडीआरएफ और स्थानीय लोगों की मदद से सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया। प्रातः चार बजे शुरू हुआ बारिश का दौर दोपहर लगभग बारह बजे तक जारी रहा। झामझम बारिश के चलते करौली के रणगांवा तालाब, इमली वाला ताल और बड़ वाले तालाब भी ओवरफ्लो होकर बहने लगे। ओवरफ्लो का पानी करौली शहर के मंडरायल रोड स्थित पुलिया के पास कई कॉलोनियों के घरों में घुस गया, जिससे बड़ी संख्या में लोगों ने छत पर पहुंच कर अपनी जान बचाने के लिए



तीन दर्जन लोगों को सिविल डिफेंस, एसडीआरएफ और लोगों ने सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया

मजबूर होना पड़ा। सूचना पर सिविल डिफेंस और स्थानीय लोगों ने रामद्वारा क्षेत्र, बग्गी खाना, पावर हाउस, वीर

■ करौली में बारिश का कहर जारी

जल भराव के चलते पाटीरपोश घर की छत पर फंस गए करीब 3 घंटे बाद स्थानीय लोगों ने कड़ी मशक्कत के बाद ट्यूबूव और रस्सी की मदद से उन्हें सुरक्षित बाहर निकाला। सूचना पर सिविल डिफेंस की टीम भी मौके पर पहुंची और परिवार को सुरक्षित पहुंचाया।

कलेक्टर नीलाध सक्सेना, एसपी शंकर लाल मीणा सहित अन्य पुलिस प्रशासनिक अधिकारियों ने भी प्रभावित क्षेत्र का दौरा कर घटनाक्रम की जानकारी ली है। जल भराव से प्रभावित लोगों को ट्रक यूनिट स्थित बालिका विद्यालय, महात्मा गांधी मॉडल स्कूल गणेश गेट एवं उच्च प्राथमिक विद्यालय नंबर सात में ठहरने के लिए प्रबंध किए।

## गंगापुर सिटी में सड़कों पर चार फीट तक पानी भरा

गंगापुर सिटी, (निर्स)। जिला मुख्यालय क्षेत्र में मेघों ने जमकर मलहारा गया। यहां शनिवार रातभर से रुक-रुककर बारिश का दौर शुरू हुआ जो दूसरे दिन रविवार दोपहर तक जारी रहा। बारिश से शहर में सड़कों पर घुटनों तक पानी हो गया। वहीं गांवों में खेत भी लबाबल हो गए। रविवार सुबह 8 बजे तक तो रिमझिम बारिश होती रही लेकिन इसके बाद तेज बारिश का दौर शुरू हो गया। बारिश के कारण शहर की अधिकांश कॉलोनियों और सड़कों पर बारिश का काफी मात्रा में पानी भर गया। नया बाजार में तो दरिया जैसी स्थिति दिखाई थी। तहसील कानून्गो राजेन्द्र जायसवाल ने बताया कि गंगापुर सिटी क्षेत्र में रविवार सुबह 8 बजे 11 मिमी बारिश दर्ज की गई, लेकिन इसके बाद ही जोरदार बारिश होने लगी और बारिश का यह दौर करीब 11 बजे तक जारी रहा। इसके बाद रुक-रुककर बारिश होती रही। इसे एक दिन पहले शनिवार को करीब 3 इंच बारिश हुई थी। क्षेत्र में एक जून से अब तक 648 मिमी बारिश दर्ज की जा चुकी है। गंगापुर सिटी में मौसम विभाग ने भारी बारिश का अलर्ट जारी किया हुआ है। एक सप्ताह से जिले में चल रही बरसात से जन जीवन पूरी तरह से अस्त व्यस्त हो गया है।

## हिंडौन में साढ़े चार इंच बारिश, जनजीवन प्रभावित

हिंडौन सिटी, (निर्स)। शहर सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्र में रविवार को दूसरे दिन साढ़े चार इंच बारिश दर्ज की गई, जिससे शहर में बाढ़ की हालात बने हुए हैं तो वहीं ग्रामीण क्षेत्र के रास्ते अवरुद्ध हो गए हैं। हालांकि इस समस्या को लेकर देरी से हरकत में आए प्रशासन के अधिकारियों ने नाव में बैठकर शहर के जलमग्न इलाकों का दौरा किया।

जनकारी के अनुसार गत एक सप्ताह से अधिक समय से क्षेत्र में मानसून मेहरबान है। जिसके चलते गत दिवस की सबसे ज्यादा 4 इंच बारिश दर्ज हुई, जिससे घरों व दुकानों में पानी भरने से लोगों को समस्या का सामना करना पड़ रहा है। बाजार में सड़कों पर 4 से 5 फीट पानी भरा होने से दुकानों तक पहुंचने में समस्याएं आ रही हैं। शनिवार को दोपहर 12 बजे तक 99 एमएम बारिश से शहर में जलभराव हुआ। फुलवाड़ा के बांध का पूरा में तालाब का ओवरफ्लो होकर जाट के तालाब तक पहुंचने पानी ने शहर में आफत मचा दी।



एसडीआरएफ टीम की मदद से नाव में सवार होकर संभागीय आयुक्त, आईजी व एसडीएम ने दौरा किया।

निकासी व पहाड़ी क्षेत्रों से सपाट व अन्य

रोकने व अन्य राहत के लिए सीतावाड़ी, खटीक पाडा की पुलिया, करौली रोड पर

मध्यम अलग टीम भेजी गई है। जैसीबी के माध्यम से खारी नाले में रुकावट को हटाना

■ कॉलोनियों और बाजार में पांच फीट तक भरा पानी, रेस्क्यू टीमों नांव के साथ राहत कार्य में जुटी

■ फुलवाड़ा के बांध का पूरा में तालाब का ओवरफ्लो होकर जाट के तालाब तक पहुंचे पानी ने शहर में आफत मचा दी

जा रहा है। वहीं जलभराव क्षेत्र में फंसे लोगों के आवास के लिए आश्रय स्थलों में व भोजन के लिए अन्नपूर्णा रसोई में व्यवस्था की गई है। एसडीआरएफ की टीम भी पहुंच गई है। एसडीआरएफ टीम की मदद से नाव में सवार होकर संभागीय आयुक्त सांवर मल वर्मा, आईजी राहुल प्रकाश व एसडीएम ने जलभराव क्षेत्रों का निरीक्षण किया।

भारत सरकार, रेल मंत्रालय						
रेलवे भर्ती बोर्ड						
केंद्रीकृत रोजगार सूचना संख्या 04 / 2024						
सांकेतिक सूचना						
पेरामेट्रिकल श्रेणियों के विभिन्न पदों की भर्ती						
नीचे दी गई तालिका में पेरामेट्रिकल श्रेणियों के विभिन्न पदों के लिए पात्र उम्मीदवारों से आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं। आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 16.09.2024 है। आवेदन (सभी तरह से पूरे) केवल ऑनलाइन ही जमा किया जाना चाहिए। आवेदन आरंभ होने की तिथि: 17.08.2024 आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि: 16.09.2024						
पद का नाम	7वें सीपीसी के अनुसार प लेवल	प्रारंभिक वेतन (₹)	चिकित्सा मानक	01.01.2025 को आयु	कुल रिक्तियां (सभी आरआरबी)	
साइंटिफिक (लेवल 7)	7	44900	C2	18-36	05	
नर्सिंग अधीक्षक	7	44900	C1	20-43	713	
ऑडियोलॉजिस्ट और स्पीच थेरेपिस्ट	6	35400	B1	21-33	04	
सिलिकल साइकोलॉजिस्ट	6	35400	B1	18-36	07	
डेंटल हाईजिनिस्ट	6	35400	C2	18-36	03	
आईलिसिस्ट टेक्नीशियन	6	35400	B1	20-36	20	
स्वास्थ्य एवं मलेरिया निरीक्षक ग्रेड III	6	35400	C1	18-36	126	
लेबोरेटरी अधीक्षक	6	35400	B1	18-36	27	
परम्प्रेषियन	6	35400	B1	21-43	02	
क्रिजियोथेरेपिस्ट ग्रेड II	6	35400	C1	18-36	20	
ऑक्जुेशनल थेरेपिस्ट	6	35400	C1	18-36	02	
कैथ लेबोरेटरी टेक्नीशियन	6	35400	B1	18-36	02	
फार्मासिस्ट (रिप्टी ग्रेड)	5	29200	C2	20-38	246	
रेडियोग्राफर एक्स-रे टेक्नीशियन	5	29200	B1	19-36	64	
स्पीच थेरेपिस्ट	5	29200	B1	18-36	01	
कॉर्डियक टेक्नीशियन	4	25500	B1	18-36	04	
ऑटोमेट्रिस्ट	4	25500	B1	18-36	04	
ईसीजी टेक्नीशियन	4	25500	C1	18-36	13	
लेबोरेटरी सहायक ग्रेड II	3	21700	B1	18-36	94	
फील्ड वर्कर	2	19900	C2	18-33	19	
कुल योग					1376	

इसमें कोविड-19 महामारी के कारण एक बार के रूप में निर्धारित आयु सीमा से परे 3 वर्ष की छूट शामिल है। कृपया विस्तृत जानकारी के लिए आरआरबी की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध सीईएन 04 / 2024 देखें।

सीईएन 04 / 2024 में भाग लेने वाले आरआरबी की वेबसाइट

अहमदाबाद	चेन्नई	मुजफ्फरपुर
www.rbcadabad.gov.in	www.rbcchennai.gov.in	www.rbcmuzaffarpur.gov.in
अजमेर	गोरखपुर	पटना
www.rbbajmer.gov.in	www.rbgkp.gov.in	www.rbbpatna.gov.in
बेंगलुरु	गुवाहाटी	प्रयागराज
www.rbbnc.gov.in	www.rbguwahati.gov.in	www.rbbald.gov.in
भोपाल	जम्मू-श्रीनगर	रांची
www.rbbhopal.gov.in	www.rbbjammu.nic.in	www.rbbanchi.gov.in
बुबनेश्वर	कोलकाता	शिकंदराबाद
www.rbbbs.gov.in	www.rbbkolka.gov.in	www.rbbsecundrabad.gov.in
बिलासपुर	मावदा	सिलीगुड़ी
www.rbbilaspur.gov.in	www.rbbmalda.gov.in	www.rbbsiliguri.gov.in
चंडीगढ़	मुंबई	शिरुवानाथापुरम
www.rbbcdg.gov.in	www.rbbmumbai.gov.in	www.rbbshiruvananthapuram.gov.in

यह अधिसूचना पूर्णतः सांकेतिक प्रकार का है। उम्मीदवारों को ऑनलाइन माध्यम से आवेदन करने से पहले अपनी पात्रता सुनिश्चित करने के लिए विस्तृत सीईएन 04 / 2024 की पोस्ट पेसमीटर तालिका और तिथि तालिका को ध्यान से देखना आवश्यक है। उपरोक्त भर्ती से संबंधित कोई भी शुद्धि-पत्र समय/परिशिष्ट/महत्वपूर्ण सूचना समय पर केवल आरआरबी की उपरोक्त वेबसाइट पर जारी की जाएगी।

संख्या: RRB/Advt./CEN04/2024 (Paramedical)

दिनांक: 12.08.2024

अध्यक्ष  
रेलवे भर्ती बोर्ड

दलायत, विनोदियां और नौकरों का ज़ांर्रा देने वाली री साध्यान रहे।



# तेज रफतार कार ट्रक में घुसी, दो छात्रों सहित तीन की मौत

—कार्यालय संवाददाता—  
जयपुर। रामनगरिया थाना इलाके में शनिवार-रविवार की मध्य रात्रि तेज रफतार कार ट्रक में जा घुसी। इस हादसे में दो छात्र सहित तीन लोगों की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार एक छात्र लंदन से बीटके तो दूसरा जयपुर के ही कॉलेज से बीबीए कर रहा था। टक्कर इतनी जोरदार थी कि आगे से कार के परखच्चे उड़ गए। ड्राइवर का शव कार में बुरी तरह से फंस गया था। घंटेभर की मशक्कत के बाद शव को बाहर निकाला गया।

पुलिस उपायुक्त जयपुर पूर्व कावेन्द्र सिंह सागर ने बताया कि रामनगरिया थाना इलाके में शनिवार-रविवार की मध्यरात्रि डेढ़ बजे एनआरआई सर्किल

- रामनगरिया इलाके में शनिवार-रविवार की मध्य रात्रि हुआ हादसा
- टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार के आगे से परखच्चे उड़ गए। ड्राइवर का शव कार में बुरी तरह से फंस गया था, जिसे 1 घंटे की मशक्कत के बाद बाहर निकाला गया

ने जांच के बाद दोनों को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने दोनों के शवों को अस्पताल के मुर्दाघर में रखवा दिया। जिनका रविवार सुबह पोस्टमार्टम कर परिजनों के हवाले कर दिया। पुलिस जांच में सामने आया है कि गाड़ी वेदांत की है। वेदांत का कार चालक विकास का शव कार में बुरी तरह से फंसा गया था और एक घंटे की मशक्कत के बाद शव को

बाहर निकाला गया। विकास के शव को एसएमएस की मोर्चरी में रखवाया गया है। अमोश और वेदांत के परिवार वालों को पुलिस ने रात में ही सूचना दे दी थी। शवों का मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम करवाया परिजनों को सौंप दिया गया है। विकास सीतापुरा में ही किराए के मकान में रहता था। पुलिस ने बताया कि प्रताप नगर से होते हुए जवाहर सर्किल की तरफ कार जा रही थी। ड्राइवर ट्रक को मोड़ रहा था। इतने में तेज रफतार से आ रही कार ट्रक से भिड़ गई। ट्रक में सब्जियां भरी थीं। मृतक वेदांत लंदन से बीटके कर रहा था, वह छुट्टियों में जयपुर आया था। जबकि अमिष जयपुर इंजीनियरिंग कॉलेज एंड रिसर्च सेंटर में बीबीए का स्टूडेंट था।

ने जांच के बाद दोनों को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने दोनों के शवों को अस्पताल के मुर्दाघर में रखवा दिया। जिनका रविवार सुबह पोस्टमार्टम कर परिजनों के हवाले कर दिया। पुलिस जांच में सामने आया है कि गाड़ी वेदांत की है। वेदांत का कार चालक विकास का शव कार में बुरी तरह से फंसा गया था और एक घंटे की मशक्कत के बाद शव को

## नटवर सिंह के निधन पर संवेदना जताई

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागडे, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनांनी ने पूर्व केंद्रीय मंत्री नटवर सिंह के निधन पर संवेदना व्यक्त की है। उन्होंने दिवंगत आत्मा की शांति और शोक संतुप्त परिजनों को इस दुख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने के लिए परमपिता परमेश्वर से प्रार्थना की है।

## प्रॉपर्टी कारोबारी से एक करोड़ की ठगी

जयपुर। कोतवाली थाना इलाके में रुपए दुगने के नाम पर एक प्रॉपर्टी कारोबारी से एक करोड़ रुपए ठगने का मामला सामने आया है। थानाधिकारी राजेश कुमार ने बताया कि दूधू निवासी कमलचंद जैन ने मामला दर्ज करवाया कि रुपए दुगाने करने के नाम पर किशनपोल में चार-पांच लोगों ने अलग-अलग कर करीब एक करोड़ रुपए की राशि उससे ले ली।

# पहाड़ों ने ओढ़ी हरियाली की चादर



राजस्थान में मानसून को मेघ मल्हार चरम पर हैं। बारिश के बाद अरावली की पहाड़ियों से झरने बहने लगे हैं। सावन के इस हरियाली भरे मौसम में पहाड़ियों ने भी हरियाली की चादर ओढ़ ली। बारिश के बाद आसमान में धुंध छाये रहने से ऐसा लगने लगा है, जैसे बादल जमीं पर उतर रहे हों। जयपुर के नजदीक सामोद की पहाड़ियों का ये दृश्य ऐसा लगता है कि जैसे कुल्लू-मनाली की पहाड़ियां हों।

# प्रेमिका से बातचीत का विरोध करने पर 6 माह की गभर्ववती पत्नी को मौत के घाट उतारा

## राजधानी जयपुर के जयसिंहपुरा खोर इलाके में सनसनीखेज वारदात सामने आयी

—कार्यालय संवाददाता—  
जयपुर। जयसिंहपुरा खोर इलाके में प्रेमिका से बातचीत का विरोध करने पर एक युवक ने अपनी पत्नी को मौत के घाट उतार दिया और परिजनों के साथ मिलकर शव को दफना दिया। शंका होने पर परिजनों ने हत्या का मामला दर्ज करवाया। इस पर पुलिस ने जांच शुरू की तो सारी परतें खुलकर सामने आ गईं। जांच में सामने आया कि महिला ने अपने पति को दूसरी लड़की से बात करने का विरोध किया था। इस पर पति ने अपनी पत्नी की हत्या करके शव को दफना दिया। परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने शव को कब्र से निकालकर जांच शुरू की तो हत्या की बात सामने आई। इस पर पुलिस ने आरोपी मोहम्मद अजहर को गिरफ्तार कर लिया।

- आरोपी पति ने परिजनों को गुमराह करके पत्नी के शव को दफना दिया, पुलिस ने जांच शुरू की तो हत्याकांड का पर्दाफाश हुआ

जयसिंहपुरा खोर इलाके में अनम फातिमा की 29 जुलाई को संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हुई थी। महिला 6 महीने की प्रेग्नेंट थी। मृतक महिला के पति मोहम्मद अजहर ने परिजनों को गुमराह करके शव को कब्र में दफना दिया था। परिजन मृतका अनम फातिमा की हत्या की वारदात से अनजान थे। परिजनों को लगा कि प्रेग्नेंसी की वजह से मौत हुई है। परिजनों की ओर से पुलिस को सूचना भी नहीं दी गई। महिला के पति के साथ पूरा परिवार शोक का मातम मना रहा था। दफनाने से पहले परिवार के सदस्य ने महिला के गले पर चोट के निशान देख लिए,

लेकिन पति मोहम्मद अजहर ने पूरे परिवार को गुमराह कर दिया। परिजनों को शक हुआ कि जिस बेटी से 4 घंटे पहले पूरा परिवार मिलकर आया था। अचानक उसकी तबीयत कैसे खराब हो गई और मौत भी हो गई। शक की गहराइयों के बीच परिजनों ने जयसिंहपुरा खोर थाने में मुकदमा दर्ज करवा दिया। मामला दर्ज होने के बाद एसडीएम की मौजूदगी में महिला का शव कब्र से खोदकर बाहर निकाला गया। इसके बाद पोस्टमार्टम करवाया गया। पोस्टमार्टम के दौरान गला दबाकर हत्या करने का खुलासा हुआ। पुलिस ने मामले की जांच

पड़लाई की तो महिला का पति मोहम्मद अजहर हत्याकांड निकला। गत 5 अगस्त को महिला के पिता मुना खान ने थाने में मुकदमा दर्ज करवाया था। इससे पहले परिजन महिला के शव को कब्र में दफन कर चुके थे। पुलिस की जांच में सामने आया है कि मृतक महिला के पति अजहर मोहम्मद का एक अन्य महिला के साथ अफेयर चल रहा था। पत्नी ने अपने पति को फोन पर महिला से बात करते हुए सुन लिया था। दोनों के बीच इसी को लेकर झगड़ा हुआ। इस दौरान आरोपित ने अपनी पत्नी का गला दबाकर हत्या कर दी। हत्या के बाद आरोपी प्रेग्नेंसी से तबीयत खराब होने का डामा करता रहा, लेकिन पुलिस ने कड़ी पूछताछ के बाद आरोपी ने अपना जुर्म कबूल कर लिया जिसके बाद पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

# डबल शंकर की कावड़ कलश यात्रा में दिखी शिव भक्ति के साथ देश भक्ति की झलक



पूर्व मेयर ज्योति खण्डेलवाल की अगुवाई में 1100 महिलाओं ने कलश यात्रा निकाली।

जयपुर, (का.सं.)। कंधों पर कावड़ लिए भक्तों ने एवं पंचरंगा के रंग में रंगी सर पर कलश धारण किये महिलाओं ने जब एक स्वर में शिव के जयकारे लगाए तो अनायास ही छोटी काशी के रूप में विख्यात जयपुर नगरी भोले के रंग में रंगी दिखी। मौका था श्री डबल शंकर महादेव विकास समिति के तत्वाधान में रविवार को निकाली गई कावड़ व कलश यात्रा का, जिसमें भोले के भक्तों ने गलता व

हरिद्वार से लाए गंगा के पवित्र मिश्रित जल से शिव का अभिषेक किया। कावड़ यात्रा में शामिल हर कोई अपने हाथों से बाबा का अभिषेक करने के लिए आतुर दिखा। गलता तीर्थ से अलसुबह कावड़ में पवित्र जल भर कर रवाना हुए भक्तों का काफिला जैसे ही परकोटा क्षेत्र में पहुंचा तो शहरवासियों ने पलक पावंडे बिछा दिए। आयोजन समिति के संयोजक शरद

खण्डेलवाल की अगुवाई में कावड़िये भोले की भक्ति के रंग में रंगे नजर आ रहे थे, उनका उत्साह देखते ही बन रहा था। भोले के जयकारों व देश भक्ति के जयघोष के साथ कावड़िये झूम रहे थे और शिव का जयघोष कर रहे थे। कावड़ यात्रा में सजे ध्वजे, झंडे, ढोल-तासे शामिल थे। कावड़ियों का जगह जगह व्यापार मण्डल के पदाधिकारियों व सर्वसमाज के प्रतिनिधियों ने फूल बरसा

कर व आरती उतार कर स्वागत किया। पूर्व महापौर ज्योति खण्डेलवाल की अगुवाई में 1100 महिलाओं ने धारण किया सिर पर मंगल कलश कावड़ यात्रा के साथ जब कलश यात्रा का संगम चौड़ा रास्ता स्थित द्वारकाधीश मंदिर के बाहर हुआ तो वहां मौजूद हर कोई भक्त भोले के जयघोष पर झूम उठा। चौड़ा रास्ते में पूर्व मंत्री व विधायक कालीचरण सराफ, हाथोज धाम के महन्त व हवामहल क्षेत्र के विधायक बालमुकुन्दचार्ज जी महाराज, अवधेशाचार्य महाराज, विधायक प्रत्याशी रवि नैयर, चन्द्रमोहन बटवाडा, व्यापार महासंघ के अध्यक्ष सुभाष गोयल, वैश्य महासम्मेलन के प्रदेशाध्यक्ष एन.के.गुप्ता, प्रभारी ध्रुवदास अग्रवाल, कर्मचारी नेता संतोष विजय सहित अन्य गणमान्य ने कावड़ कलश यात्रा का स्वागत किया व कलश यात्रा को झंडी दिखाकर रवाना किया। पूर्व महापौर ज्योति खण्डेलवाल की अगुवाई में पंचरंग की साडी पहने 1100 महिलाएं सिर पर मंगल कलश धारण कर आगे बढ़ीं। ढोल ताशो व डमरू पर जमकर नाचे कावड़िये-भक्तों ने केसरिया व तिरंगे ध्वज लहराये। कावड़ व कलश यात्रा के साथ चल रहे कावड़ियों ने ढोल ताशो व डमरू बजाकर माहौल शिवमय बना दिया। कावड़ व कलश यात्रा में शामिल भक्तों में कई भक्त भगवा व तिरंगा ध्वज लहराते हुए भोले का जयघोष कर रहे थे।

# इलेक्ट्रोपैथी को प्रोत्साहन देने के लिए सरकार प्रतिबद्ध : सी.एम.

जयपुर, (का.सं.)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि भारत प्राचीन काल से ही कई पारंपरिक और वैकल्पिक चिकित्सा पद्धतियों का केंद्र रहा है। इन चिकित्सा पद्धतियों के माध्यम से 'यूनिवर्सल हेल्थ कवरेज' के लक्ष्य को हासिल करने में मदद मिल रही है। उन्होंने कहा कि इन पद्धतियों में इलेक्ट्रोपैथी की विशेष महत्ता है और राज्य सरकार इसे प्रोत्साहित करने के लिए प्रतिबद्ध है। शर्मा रविवार को मुख्यमंत्री निवास पर इलेक्ट्रोपैथी चिकित्सकों की आभार एवं अभिनंदन सभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार आमजन के स्वास्थ्य को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए दूरगामी निर्णय ले रही है। इसी क्रम में राज्य सरकार ने अपने पहले बजट में ही पारंपरिक चिकित्सा पद्धति इलेक्ट्रोपैथी को बढ़ावा देने के लिए इलेक्ट्रोपैथी बोर्ड का गठन करने और इसके लिए प्रथम चरण में 5 करोड़ रुपये के बजट का प्रावधान किया है। साथ ही, बजट में इलेक्ट्रोपैथी चिकित्सा के समन्वय में परीक्षण कर नियम बनाने की महत्वपूर्ण घोषणा भी की गई है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार

- 'बोर्ड के गठन से इलेक्ट्रोपैथी पद्धति को मिलेगी गति'
- बजट घोषणाओं के लिए इलेक्ट्रोपैथी चिकित्सकों ने मुख्यमंत्री का आभार और अभिनंदन किया

स्वास्थ्य सेवाओं एवं सुविधाओं का निरन्तर विस्तार कर रही है। परिवर्तित बजट 2024-25 में स्वास्थ्य क्षेत्र को सर्वाधिक महत्व देते हुए लगभग 27 हजार 660 करोड़ रुपए का प्रावधान किया है जो बजट का 8.26 प्रतिशत हिस्सा है। इससे आमजन को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध होंगी एवं स्वास्थ्य ढांचे का विस्तार एवं सुदृढ़ीकरण होगा। शर्मा ने कहा कि पण्डित दिव्यदयाल उपाध्याय के अंत्योदय के संकल्प के माध्यम से केन्द्र और राज्य सरकार की योजनाएं अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति को लाभांशित कर रही हैं।

# “बाजे नौबत बाजा, म्हारा डिग्गीपुरी का राजा...”

जयपुर। गुलाबीनगर की फिजा में आज सुबह कल्याण घणी के जयकारे गुंज उठे। मौका था श्री कल्याणजी डिग्गीपुरी लक्ष्मी पदयात्रा संघ, जयपुर के तत्वाधान में निकाले जाने वाली श्री डिग्गीपुरी कल्याणजी की 59वीं श्री लक्ष्मी पदयात्रा का। पद यात्रा को संत महर्तों व जनप्रतिनिधियों ने चौड़ा रास्ता स्थित ताड़केरवर्जी मंदिर से केसरिया ध्वज दिखाकर रवाना किया। यात्रा के संयोजक श्रीजी शर्मा जैसे ही मुख्य ध्वज ताड़केरवर्जी महादेव मंदिर से बाहर लेकर आए तो श्रद्धालुओं ने डिग्गी कल्याणजी के जयकारों से वातावरण को गुंजायमान कर दिया। इस दौरान मौसम ने भी श्रद्धालुओं का साथ दिया। बाजे नौबत बाजा महारा डिग्गीपुरी का राजा..., कल्याण घणी को डंका बाज्यों जैसे भजनों की स्वर लहरियां... जयकारे और हजारों श्रद्धालुओं का कारवां आज सुबह डिग्गी कल्याणजी के लिए रवाना हुआ। पदयात्रा गाजे बाजे एवं पूरे लवाजमे के साथ न्यू गेट तक पहुंची।



डिग्गी कल्याणजी की 59वीं लक्ष्मी पदयात्रा रविवार को जयपुर के ताड़केरवर्जी मंदिर से जयकारों के बीच रवाना हुई।

से पदयात्री रामनिवास बाग होते हुए मोतीद्वारी गणेशजी के दर्शन कर जेएलएन मार्ग, टोक रोड होते हुए आगे

बढ़े। पद यात्रियों को अल्हाहार करा पुण्य कमाने की लिए लोगों में होड़ लगी रही। श्रद्धालुओं के लिए मार्ग जगह-जगह बंदारे लगाए गए। संस्थाओं के सदस्य हाथों में नारता, फल लेकर पदयात्रियों की मनुहार करते नजर आए।

जगह बंदारे लगाए गए। संस्थाओं के सदस्य हाथों में नारता, फल लेकर पदयात्रियों की मनुहार करते नजर आए।

# 7 तीर्थों के जल से आज होगा 'महाशिवाभिषेक'

जयपुर। सावन के चौथे सोमवार को छोटीकाशी के शिवालयों में एक बार फिर हर-हर महादेव का जयघोष होगा। बोल बम ताड़क वम के साथ भोलेनाथ का जलाभिषेक किया जाएगा। इसी कड़ी में धार्मिक जागरूकता के प्रसार-प्रसार, सामाजिक समरसता, आध्यात्मिक उन्नति और परंपराओं का संरक्षण के लिए स्वेज फार्म सोडाला के सिद्धेश्वर हनुमान मंदिर में सोमवार, 12 अगस्त को सुबह पांच से दोपहर दो बजे तक मंदिर महंत अवधेश दास महाराज के सान्निध्य में हरिद्वार से लाए गंगाजल से अभिषेक किया जाएगा। शनिवार को आयोजक राजस्थान प्रशासनिक सेवा के वरिष्ठ अधिकारी पंकज ओझा और गम्बर कटारा ने सिविल लाईंस विधायक गोपाल शर्मा को कार्यक्रम में शामिल होने का आमंत्रण दिया। उन्होंने आमंत्रण स्वीकार कर पोस्टर का विमोचन किया। गंगाजल के अलावा अन्य पवित्र तीर्थों के जल, दिव्य औषधियों से भी भोलेनाथ महाशिवाभिषेक किया जाएगा। कार्यक्रम सभी भक्त शामिल हो सकेंगे। इसमें भाग लेने वाले किसी भी श्रद्धालु से कोई शुल्क नहीं लिया जाएगा। सुबह 5 बजे भगवान शिव आरती एवं मंत्रोच्चार के साथ कार्यक्रम की शुरुआत होगी। अभिषेक के दौरान भजनों स्वर लहरियां गुंजती रहेगी। अभिषेक में 7 तीर्थों का जल उपयोग में लिया जाएगा हरिद्वार का गंगाजल, कैलाश मानसरोवर का जल, गंगासागर का जल, रामेश्वरम का जल, नर्मदा का जल, सरयू नदी का जल, पुष्कर का जल शामिल है। नाग केशर प्रियंगु, भांग, शमी पत्र, आकड़ा, सात प्रकार के रस और गौ दुग्ध धारा से अभिषेक किया जाएगा। हरिद्वार से पवित्र गंगाजल बढ़े टैकर में भरकर जयपुर लाया जाएगा। जयपुर में गंगाजल का स्वागत ढोल-नगाड़ों के साथ किया जाएगा। गंगाजल में प्रमुख नदियों एवं सरोवरों का जल मिलाकर अभिषेक किया जाएगा। भक्तों को गंगाजल जल भरा कलश, बेल पत्र और पुष्प उपलब्ध करवाए जाएंगे। जो लोग पवित्र स्थान से कावड़ नहीं ला सकते वे टैकर से कावड़ में जल भरकर ले जा सकेंगे।



## सार-समाचार

## वन विहार कार्यक्रम का आयोजन



रावतभाटा, (निर्स)। सेवा भारती द्वारा देव दर्शन वन विहार कार्यक्रम का आयोजन किया गया। रावतभाटा के सभी प्रकल्पों के विद्यार्थियों को रविवार को शिव मंदिर बडोलिया के देव दर्शन वन विहार का कार्यक्रम के निमित्त मंदिर का भ्रमण कराया गया। जिसमें प्रकल्पों के करीब 150 विद्यार्थियों ने मंदिर दर्शन कर पूजा अर्चना व आरती की। जिसके बाद खेल प्रतियोगिताएं, प्रियंका डाबोडिया, प्रियंका मेघवाल ने विभिन्न प्रकार के खेल खिलाये। साथ ही देशभक्ति गीतों पर अंताक्षरी का कार्यक्रम आयोजित किया गया। भजन प्रभारी प्रकल्प शिक्षिका टीना कैवर, रेणु त्यागी, अंजू कैवर, निरुति नायक ने सुंदर भजनों की प्रस्तुति दी। तहसील उपाध्यक्ष सुरेश चंद्र गोरे ने विद्यार्थियों को बडोलिया मंदिर के इतिहास के बारे में जानकारी दी। शाम 3 बजे बाल संस्कार केन्द्र सिलाई केन्द्र महेंदी केन्द्र के विद्यार्थियों ने मिलकर बडोलिया मंदिर से श्री महापालेश्वर मंदिर कोटा रोड तक भव्य विशाल कांवड़ यात्रा निकाली। जिसमें सभी भोलेनाथ के भजनों पर झूमते हुए जयकरों लगाते हुए मंदिर प्रांगण पहुंचे। कांवड़ यात्रा का रास्ते में पुष्पवर्षा एवं आतिशबाजी से जगह जगह स्वागत किया गया। कांवड़ लेकर आये कांवड़ियों का अभिनंदन सेवा भारती के कार्यकर्ताओं ने तिलक लगाकर आरती कर के किया। कांवड़ियों एवं उनके अभिभावकों ने भगवान भोलेनाथ का जल अभिषेक किया। जिसके बाद महाआरती कर प्रसाद वितरण किया गया।

## कृषि विज्ञान केन्द्र में गोष्ठी आयोजित

बून्दी (निर्स)। प्रधानमंत्री द्वारा भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद की विकसित 109 जैव संवर्धित एवं जलवायु अनुकूल किस्मों के विमोचन के मौके पर कृषि विज्ञान केन्द्र, बून्दी में गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी को संबोधित करते हुए वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष प्रो. हरीश वर्मा ने बताया कि देश के कृषि वैज्ञानिकों द्वारा तैयार विकसित 109 जैव संवर्धित एवं जलवायु अनुकूल किस्मों का विमोचन प्रधानमंत्री द्वारा किया जा रहा है। इन किस्मों में अनाज की 22, दालों की 11, तिलहन की 7, चारा फसलों की 7, चीनी फसलों की 4, रेशदार फसलों की 6, अन्य फसलों की 11 कुल 69 किस्मों सहित बागवानी फसलों की 40 किस्मों सम्मिलित हैं, जिन्हें देश के किसानों को समर्पित किया गया है। गोष्ठी के दौरान केन्द्र परिसर पर विशेष स्वच्छता कार्यक्रम का आयोजन कर गाबर घास से होने वाले नुकसान को जानकारी देने के साथ ही अपने आस-पास के क्षेत्र को साफ-सुथरा रखने की सलाह दी। डॉ. धनश्याम मीणा, मह आचार्य पशुपालन ने पशुओं से प्राप्त गोबर से वर्मी कम्पोस्ट और सुपर कम्पोस्ट बनाने की तकनीकी जानकारी रेड्डी विद्यार्थियों एवं कृषकों को देने के साथ इसकी उपयोगिता के बारे में बताया। साथ विद्यार्थियों को कृषि विषयविद्यालय द्वारा प्रकाशित त्रैमासिक पत्रिका "अभिनव कृषि" वितरित की गई। गोष्ठी के दौरान विकास तावर, लोकेश प्रजापति एवं रामप्रसाद सहित 42 प्रगतिशील कृषक, कृषक महिलाओं एवं रेड्डी कार्यक्रम के तहत आये हुये विद्यार्थियों ने भाग लिया।

## शोभायात्रा को लेकर बैठक का आयोजन

रावतभाटा, (निर्स)। मारुति मानस मंडल के कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी की शोभायात्रा को लेकर बैठक का आयोजन किया गया। मारुति मानस मंडल के प्रवक्ता विजय अरोड़ा ने बताया कि 55 कीलोमीटर दूर श्री तिलक महादेव मंदिर से 300 से ज्यादा कांवड़ यात्री नंगे पांज चलकर रविवार को रावतभाटा पहुंचेंगे। महाराणा प्रताप कॉलेज से नगर में भव्य शोभायात्रा के रूप में कावड़ यात्रियों को लाया जाएगा व कोटा बेरियर स्थित श्री गणपति ज्ञान गणेश मंदिर में कावड़ियों द्वारा जल अभिषेक किया जाएगा। कावड़ यात्रा संरक्षक दिनेश सेन ने बताया कि शोभायात्रा में बेंगू विधानसभा क्षेत्र के विधायक सुरेश धाकड़ मौजूद रहेंगे। शोभायात्रा को भव्य रूप देने के लिए मारुति मानस मंडल के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं की बैठक रखी गई। बैठक में मारुति मानस मंडल के मुख्य संरक्षक कमल अरोड़ा, संरक्षक दिनेश सेन, मंडल अध्यक्ष श्याम गुलाटी, कावड़ यात्रा अध्यक्ष दिलीप मीणा, पूर्व अध्यक्ष राजकुमार बाघवा, संजय तिवारी, विजय अरोड़ा, कावड़ यात्रा संरक्षक लाल देराश्री, दिनेश रेड्डीया, पंकज परमार, हरीश राठौर, संजय रेड्डीया, बालकिशन गुलाटी, हर्ष जैन, अरुण राठौर, सहित मारुति मानस मंडल के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद थे।

## विशाल कावड़ यात्रा का स्वागत

अंता (निर्स)। सावन मास में 21वीं विशाल कांवड़ यात्रा रविवार को नागेश्वर महादेव धाम नागदा से नर्बदेश्वर महादेव मंदिर धानमंडी स्टेशन रोड तक निकाली गई। इस कांवड़ यात्रा में सैकड़ों की संख्या में महिलाएं पुरुषों तथा बच्चों ने भग लिया। नागदा से लेकर अंता स्टेशन तक आधा दर्जन स्वागत द्वार लगाये गये। तथा पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया। कावड़ यात्रा आयोजन समिति अंता ने बताया कि कांवड़ यात्रा नर्बदेश्वर महादेव मंदिर धानमंडी में शिव भक्तों ने अभिषेक किया और यहाँ प्रसादी का आयोजन किया गया। करुबे में नगरपालिका अंता श्रीसंकेतमोचन हनुमान प्रजा समिति श्री राम नगर अजीतपुर बालाजी समिति रामकिशन संवर्धित सहित भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा कांवड़ यात्रियों का स्वागत कर अल्पाहार कराया गया। आयोजन समिति द्वारा कावड़ यात्रा में शामिल सभी भक्तों का स्वागत एवं पुष्प वर्षा कर उत्साह वर्धन करने वाले, पुलिस और प्रशासन का सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया है।

## महाकाल बाबा की सवारी आज निकलेगी

अंता (निर्स)। अंता नगर में पहली बार उज्जैन में निकलने वाली महाकाल बाबा की सवारी की तर्ज पर भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी। महाकाल बाबा की शाही सवारी सोमवार को दोपहर 3 बजे पोस्ट ऑफिस बालाजी की बगैची से शुरू होगी, जो सीसवाली तिराहे, अस्पताल रोड, शिवाजी चौक, मैन मार्केट, सहर नाका होते हुए सीएडटी सैकिल से वापस अपने गंतव्य स्थल पर सम्पन्न होगी। इसके पश्चात भव्य आतिशबाजी के साथ प्रसाद वितरण किया जाएगा। सवारी के साथ बड़ी संख्या में युवा वर्ग व महिलाएं-पुरुष शामिल रहेंगे। इस निमित्त विभिन्न समितियां बनाकर युवाओं को जिम्मेदारियों प्रदान की गयी।

## वधवा बून्दी आई.टी. संगठन के निर्विरोध अध्यक्ष बने

बून्दी (निर्स)। अभिषेक वधवा को एक बार फिर बून्दी आईटी संगठन के मुख्य कार्यकारी अध्यक्ष चुना गया। रविवार को शहर के निजी रिसोर्ट पर आयोजित बून्दी आईटी संगठन की बैठक में सर्व समिति से गायत्री एजुकेशन के अभिषेक वधवा को अध्यक्ष चुना गया। समिति के संरक्षक राकेश योगी ने बताया कि आईटी संगठनात्मक व गुणात्मक योजना देते हुए आईटी एजुकेशन के बारे में जानकारी दी। बैठक में कोषाध्यक्ष धर्मेन्द्र पांड्या, यासीन कुरैशी ने सभी आईटी केन्द्र को साथ लेकर चलने की बात कही। बैठक में समिति के सचिव आशीष नुवाल, अनिल कुशावाहा, लोकेश बैरवा, सुद्वि प्रकाश वर्मा, मनीष वर्मा पंकज गौतम, धर सिंह सहित सभी सदस्य मौजूद रहे।

## तिरंगा सेल्फी कार्यक्रम आयोजित

अंता (निर्स)। अंता में सीसवाली तिराहे पर हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत तिरंगा सेल्फी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें उपखंड अधिकारी लक्ष्मीकांत मीणा, तहसीलदार सुरेंद्र सिंह गुर्जर, विकास अधिकारी राधेश्याम भील, नगर पालिका पंचायत समिति एवं अन्य विभागों के अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन सुरभि खंडेलवाल अध्यापिका द्वारा किया गया।

# आमजन की सहभागिता से हर घर में फहराएँ तिरंगा : जिला कलेक्टर अक्षय गोदारा

बून्दी (निर्स)। 'हर घर तिरंगा अभियान' के संबंध में रविवार को आयोजित बैठक में जिला कलेक्टर अक्षय गोदारा विभागीय अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की मंशानुरुप स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर जिले में हर घर, प्रतिष्ठान और राजकीय कार्यालयों में तिरंगा फहराया जाए। स्वतंत्रता दिवस को उत्सव की तरह आयोजित किया जाए।

उन्होंने अधिकारियों को अभियान की तैयारियों को नियमित मॉनिटरिंग करने के निर्देश देते हुए कहा कि अभियान के तहत जिले से लेकर ग्राम पंचायत स्तर तक कार्यक्रमों के सफल आयोजन के लिए संबंधित विभागों के अधिकारी आपसी समन्वय से कार्य करें। बैठक में जिला पुलिस अधीक्षक हनुमान प्रसाद, एडीएम प्रशासन धनश्याम शर्मा, नगरपरिषद आयुक्त अरुण शर्मा, जिला खेल अधिकारी वाई बी सिंह, जिला शिक्षा अधिकारी राजेंद्र व्यास सहित अन्य मौजूद रहे।

हर घर दप्तर गली नुकड़ पर लहराएँ तिरंगा:- उन्होंने कहा कि माननीय मुख्यमंत्री की मंशा के अनुरूप हर घर, हर सरकारी दफ्तर, हर गली, हर नुकड़ तक तिरंगा अपनी शान में लहराएँ, इसके लिए संबंधित अधिकारी झंडों की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित करें।

## नवनियुक्त जिला अध्यक्ष का फूल माली समाज ने स्वागत किया

झालावाड़ (निर्स)। नर्बदेश्वर महादेव मंदिर पर फूल माली समाज झालावाड़ पर बिरधी लाल जी सुमन गोलाणा बालों का माली सैनी महासाधारणस्थान द्वारा झालावाड़ के जिला अध्यक्ष पद पर नियुक्त किये जाने पर सम्मान समारोह कार्यक्रम रखा गया जिसमें फूल माली समाज के वरिष्ठ जनों द्वारा जिला अध्यक्ष बिरधीलाल सुमन को चंदन रोली का तिलक लगाकर साफा बंधवाया।

माला पहनकर स्वागत सम्मान किया गया जिसमें अन्य दिवार समाज बंधुओं ने भी माला पहनाकर उनका स्वागत और सम्मान किया तथा सभी समाज बन्धुओं ने जिला अध्यक्ष बनने पर बधाई व शुभकामनाएं प्रेषित की। कार्यक्रम का संचालन कर रहे अनिल सुमन ने बताया कि कार्यक्रम में उपस्थित फूल माली समाज के अध्यक्ष शिवाचंद बारवाल, उपाध्यक्ष रमेश चंद सुमन, कैशियर मोहनलाल मंडावरा, मोहनलाल मंडोरा,



बून्दी में 'हर घर तिरंगा' अभियान के संबंध में जिला कलेक्टर अक्षय गोदारा ने आयोजित बैठक ली।

उन्होंने कहा कि हर घर तिरंगा अभियान के तहत कार्यक्रमों में विद्यार्थियों की अधिकाधिक भागीदारी सुनिश्चित की जाए तथा सोशल मीडिया पर तिरंगा सेल्फी के लिए भी आमजन और युवाओं को जागरूक किया जाए। उन्होंने अभियान से ज्यादा से ज्यादा आमजन को जोड़ने के लिए वृहद स्तर पर प्रचार-प्रसार करने के निर्देश देते हुए कहा कि फोटो और वीडियो हर घर तिरंगा वेबसाइट पर फोटो अपलोड की जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि संबंधित अधिकारी अपने अधीनस्थ

अधिकारियों की बैठक लेकर ब्लॉक और ग्राम स्तर तक आयोजन की तैयारियां सुनिश्चित की जाए। 12 से 15 अगस्त तक लगेगा तिरंगा मेला:- गोदारा ने कहा कि अभियान के तहत 12 से 15 अगस्त तक खेल संकुल में तिरंगा मेला लगाया जाएगा। इसमें बून्दी एवं अन्य जिले की राजीविका अंतर्गत स्वयं सहायता समूह द्वारा निर्मित उत्पादों की स्टालें लगाई जाएं, साथ सेल्फी पॉइंट भी हो। साथ ही स्टारस पर आमजन को देने के लिए

तिरंगा, पौधा भी उपलब्ध कराया जाए। 12 अगस्त को तिरंगा रैली से होगा अभियान का शुभारंभ:- उन्होंने कहा कि 12 अगस्त से हर घर तिरंगा अभियान की शुरुआत होगी। इसके तहत सोमवार को ह्युर सैकेण्डरी स्कूल परिसर से सुबह 9 बजे छात्र-छात्राओं की तिरंगा रैली निकाली जाएगी। इसके अलावा उपखंड एवं पंचायत स्तर पर तिरंगा यात्रा रैली निकाली जाएगी। उन्होंने जिला खेल अधिकारी को निर्देश दिए कि हर घर तिरंगा अभियान के तहत 13

## साइबर ठगी के दो आरोपी गिरफ्तार

बून्दी (निर्स)। बून्दी की साइबर थाना पुलिस ने रूपए दो गुना करने के नाम से ठगी करने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इस मामले में पुलिस पहले ही मास्टरमाइंड को जयपुर प्रताप नगर से गिरफ्तार कर चुकी है। पहले गिरफ्तार आरोपी से पूछताछ में अन्य लोगों के नाम सामने आए हैं। ऐसे में पुलिस को साइबर ठगी करने वालों के बड़े नेटवर्क के खुलासे की आशंका है।

बून्दी एसपी हनुमान प्रसाद मीणा ने बताया कि 5 अगस्त को इंद्रगढ़ थाने में साइबर ठगी का मामला दर्ज हुआ था। इस मामले की जांच के दौरान सामने आया था कि कुछ शांतिर लोग सोशल

### एक आरोपी पूर्व में गिरफ्तार हो चुका है

मीडिया पर ग्रुप बनाकर रकम दोगुना करने का झांसा देकर लोगों को फंसा लेते हैं। ग्रुप में आईडी बनाकर रकम इन्वेस्ट करवा लेते हैं और रकम को हड़प लेते हैं। काफी दिनों बाद पीड़ित



साइबर थाना पुलिस ने रूपए दो गुना करने के नाम से ठगी करने के दो आरोपियों को गिरफ्तार में लिया।

को ठगी का पता लगता है। इसी तरह की ठगी तेलंगाना के एक शख्स के साथ हुई थी। पुलिस ने जांच के दौरान इस तरह की ठगी करने वाले मास्टरमाइंड को जयपुर

प्रतापनगर से गिरफ्तार किया था। उससे पूछताछ के बाद दो और ठगी के नाम सामने आए। इनमें बनवारी लाल मीणा निवासी सवाई माधोपुर और सेवा राम जाट निवासी ओरियापाडा जिला

करोली को रविवार को गिरफ्तार किया है। पुलिस इन आरोपियों से पूछताछ कर रही है। मामले में गैंग के और आरोपियों के नाम सामने आने की संभावना है।

## मंडी परिसर में सैकड़ों पेड़ लगाये

बून्दी (निर्स)। रविवार को प्रकृति संतुलन एवं पर्यावरण संरक्षण हेतु 'वननेस वन' परियोजना के तहत संत निरंकारी मिशन ने कुवांतां स्थित कृषि उपज मंडी में सैकड़ों छायादार व फलदार पेड़ लगाए गए।

संत निरंकारी मिशन के इस मेगा वृक्षारोपण अभियान का आयोजन सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज एवं निरंकारी राजपिता जी के मार्गदर्शन में सवाई माधोपुर के संत सत्यनारायण एवं स्थानीय संयोजक गुरुमुख दास चांदवानी द्वारा वृक्षारोपण कर शुरूआत की। इस अक्रभयान को संत निरंकारी मण्डल का हरित विषय की ओर एक सार्थक कदम बताते हुए संत सत्यनारायण ने कहा कि कोरोना काल के बाद से इस कार्यक्रम के अंतर्गत संपूर्ण भारतवर्ष में लगभग डेढ़ लाख के करीब वृक्ष रोपित किये गये हैं।

## सार-समाचार

### समारोह की तैयारियों का जायजा लिया



बून्दी (निर्स)। स्वतंत्रता दिवस पर 15 अगस्त को पुलिस परेड ग्राउंड पर आयोजित होने वाले जिला स्तरीय मुख्य समारोह की तैयारियों का रविवार को जिला कलेक्टर अक्षय गोदारा और पुलिस अधीक्षक हनुमान प्रसाद ने निरीक्षण कर जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान जिला कलेक्टर ने निर्देश दिए कि समारोह आयोजन की सभी तैयारियां व्यवस्थित हो। समारोह स्थल पर साफ सफाई का विशेष ध्यान दिया जाए। साथ ही वारिश के मौसम को ध्यान में रखते हुए व्यवस्थाएं रहे। उन्होंने निर्देश दिए कि समारोह में सामूहिक व्यायाम प्रदर्शन करने वाले स्कूली छात्र-छात्राओं को किसी तरह की परेशानी नहीं आए। इसके लिए सभी व्यवस्थाएं रखी जावे। निरीक्षण के दौरान अतिरिक्त जिला कलेक्टर धनश्याम शर्मा नगर परिषद कार्यवाहक आयुक्त अरुण शर्मा, पीडब्ल्यूडी के अभियंता राहुल मोदी सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

### अवैध वसूली किए जाने का मामला दर्ज

छबड़ा (निर्स)। बापचा थाना क्षेत्र में थर्मल प्लांट से राख परिवहन करने वाले बलार चालको के साथ रायल्टी के नाम पर अवैध वसूली किए जाने का मामला सामने आया है। पुलिस ने टुक चालक की रिपोर्ट पर चार युवकों के विरुद्ध डरा धमकाकर अवैध वसूली किए जाने मामला दर्ज कर तीन युवकों को डिटें कर लिया है। बापचा थानाधिकारी बुद्धराम जाट के अनुसार पाली थाना क्षेत्र के धंगराडी निवासी हरिओम घमा ने दर्ज रिपोर्ट में बताया कि मैं अतुल घर्मा का टुक चलाता हूं। 9 अगस्त की रात को राख लेकर हम पांच टुक व बलार चालक जा रहे थे। बांके बिहारी चौराहे पर चौकी निवासी जितेंद्र उर्फ जंतु यादव, अरविंद मीणा, राजकुमार यादव व प्रमोद लुहार ने जीप टुक के आगे लगाई और प्रत्येक टुक चालक से 100-100 रूपए दिए जाने की मांग की। विरोध करने पर इन लोगों ने टुकों के कांच आदि तोड़ दिए। इन युवकों ने गाली-गलौच कर धमकी दी अगर प्लांट से राख ले जाना है तो प्रति चक्कर 100-100 रूपए देने होंगे। पुलिस ने बीएनएस की धाराओं मामला दर्ज कर जितेंद्र, अरविंद एव प्रमोद को डिटें कर लिया है।

### मृतक की शिनाख्त हुई

छबड़ा (निर्स)। मोतीपुरा रेलवे स्टेशन के निकट टॉवर के पास शनिवार को एक युवक की मालगाडी की चपेट में जाने से मृत्यु हो गई थी। जिसकी शिनाख्ती होने पर पच का पोस्टमार्टम करवाकर पच परिवर्जनों को सौंप दिया है। बापचा थानाधिकारी बुद्धराम जाट ने बताया कि मोतीपुरा रेलवे स्टेशन के निकट रुडियाई की तरफ से आ रही मालगाडी की चपेट में आने से शाम 4-5 बजे के मध्य एक युवक की मृत्यु हो गई थी। पुलिस द्वारा मृतक की शिनाख्ती के प्रयास प्रारंभ कर दिए थे। जिसकी शिनाख्ती हरिंकर पांचाल (21) पुत्र गोगराज निवासी गोगन्या थाना कवाई के रूप में हुई। पुलिस ने मृग दर्ज कर जांच प्रारंभ कर दी है।

### रंजिशाख्त दवा डालकर फसल नष्ट की

छबड़ा (निर्स)। क्षेत्र के गोडियावाचरण गांव में जमीन विवाद के चलते किसान के खेत में दवा डालकर पांच बीघा भूमि की मक्का की फसल नष्ट कर दी। पुलिस ने कृषक की रिपोर्ट पर आरोपियों के विरुद्ध मामला दर्ज कर जांच प्रारंभ कर दी है। पुलिस सूत्रों के गोडियावाचरण निवासी श्रीकिशन मीणा ने दर्ज रिपोर्ट में बताया कि रामकल्याण, रामलखन, अनारसिंह व इनकी पत्नियों ने खेत पर कब्जा करने की नियत से झगडा किया और हमारे द्वारा बुवाई की गई पांच बीघा की मक्का की फसल को दवा डालकर उसे नष्ट कर दिया।

सिंधिया खेल संकुल से मिनी सचिवालय तक तिरंगा रैली का आयोजन किया जाएगा। साथ ही राजकीय विद्यालयों में तिरंगा केनवास (चित्रकला), प्रतियोगिता, तिरंगा हस्ताक्षर अभियान, तिरंगा प्रतिज्ञा, नशा मुक्ति अभियान, तिरंगा रैली तथा तिरंगा सैल्फी जैसी गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा।



जिले में ब्लॉक स्तर पर तिरंगा वाहन रैली का आयोजन किया गया।

थी तिरंगा वाहन रैली का आयोजन किया गया। रैली उपखण्ड अधिकारी कार्यालय चौराहे से बायपास होते हुए बस स्टैंड, पंचायत समिति, गर्ल्स स्कूल चौराहा, बालाजी चौराहा, स्टेशन चौराहा, बारह दुकान चौराहा होते हुए नगर पालिका कार्यालय पर पहुंचकर सम्पन्न हुई। रैली में नगर पालिका के अधिकारी, कर्मचारी,

एवं सफाई कर्मचारी शामिल रहे। इसके अतिरिक्त विभिन्न स्थानों पर राजकीय कार्यालयों एवं सफाई कर्मियों सहित आमजन तथा मनरेगा कार्यस्थलों व श्रमिकों को हर घर तिरंगा फहराने की शपथ दिलाई गई। "हर घर तिरंगा" अभियान के तहत सोमवार, 12 अगस्त को प्रातः 7 बजे राजकीय विजयाराजे





एक मैच के निलंबन के कारण मुझे सेमीफाइनल मैच से बाहर होने का मलाल है। ये काफी अहम मैच था। पूरा देश और मेरे साथी खिलाड़ी मेरे साथ थे। टीम ने कभी भावनात्मक रूप से बाहर होने नहीं दिया। मेरा ध्यान बस अगले मैच पर था - अमित रोहिदास

भारतीय हॉकी खिलाड़ी, अपने बारे में बोलते हुए।



# खेल जगत

## आज का खिलाड़ी



उज्बेकिस्तान के बखोदिर जलोलोव ने पेरिस ओलंपिक में पुरुषों के 92 प्लस किग्रा वर्ग के मुक्केबाजी फाइनल में स्पेन के अयूब गदफा इड्रिमी एल आइसाई को हराया। रोलैंड-गैरोस स्टेडियम में देर रात बखोदिर जलोलोव ने शानदार खेल का मुजाहिदा करते हुए स्पेन के मुक्केबाज को 5-0 से

## बखोदिर जलोलोव

हराकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। बखोदिर जलोलोव का यह ओलंपिक में दूसरा स्वर्ण पदक है। मुकाबला जीतने के बाद जलोलोव ने कहा, यह उज्बेकिस्तान के लिए इतिहास है और मैं भाग्यक हूँ क्योंकि दो बार ओलंपिक चैंपियन बनना मेरा सपना था।

क्या आप जानते हैं?... टेस्ट क्रिकेट इतिहास का पहला टेस्ट इंग्लैंड व ऑस्ट्रेलिया के मध्य 1877 में मेलबोर्न में खेला गया था। इसे ऑस्ट्रेलिया ने 45 रन से जीता।

# विनेश फोगाट से पहले एना बारबोसु खिलाड़ी को मिला सीएएस से न्याय

नई दिल्ली, 11 अगस्त। पेरिस ओलंपिक 2024 शुरू से ही किसी ना किसी कारण चर्चा में रहा। वहीं ओलंपिक 2024 में भारतीय स्तर रेसलर विनेश फोगाट को 100 ग्राम ज्यादा वजन होने के कारण फाइनल से बाहर कर दिया गया था।

ऐसे में उनसे मेडल छिन गया जिसके बाद विनेश ने कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन फॉर स्पोर्ट्स में केस किया, जिसकी सुनवाई हो चुकी है लेकिन फैसला आने में अभी भी समय लगेगा। दरअसल, सीएएस ने पहले फैसला 11 अगस्त के लिए टाला था जिसके बाद एक बार फिर फैसला टालते हुए 13 अगस्त का दिन फैसले के लिए तय किया गया है। लेकिन इससे पहले ने



रोमानिया की जिम्नास्ट एना बारबोसु को इवेंट में एना ने हारकर भी ब्रॉन्ज मेडल जीत अच्छी खबर दी है। जिम्नास्टिक के फ्लोर लिया है। साथ ही कोर्ट ने अमेरिका की

जिम्नास्ट जॉर्डन चाइल्स से ब्रॉन्ज मेडल छीन लिया है। बता दें कि, इवेंट में जॉर्डन तीसरे और एना चौथे नंबर पर रही थीं।

बता दें कि, इवेंट के फाइनल राउंड में जॉर्डन ने 13.766 स्कोर के साथ तीसरे नंबर पर रहते हुए ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया था। जबकि एना का स्कोर 13.700 रहा था और वो चौथे नंबर पर रही जिस कारण वह बाहर हो गई थीं। एक तरह से उन्हें हार मिली थी। के फैसले केबाद रिजल्ट को पूरी तरह से बदला गया। स्पेन में हार के बाद एना बारबोसु और उनकी टीम ने में केस दायर किया था। उन्होंने कहा कि जॉर्डन चाइल्स को गलत तरीके से पॉइंट्स दिए गए हैं। जिस कारण वो तीसरे नंबर पर रही।

## सभी राजनीतिक दल विनेश को राज्यसभा भेजने पर फैसला लें : अजय भिवानी, 11 अगस्त।

जननायक जनता पार्टी (जजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अजय चौटाला ने रविवार को कहा कि सभी राजनीतिक दलों को पहलवान विनेश को राज्यसभा भेजने पर सर्वसम्मति से फैसला लेना चाहिए और इसके लिए जजपा तैयार है। भिवानी जिले के गाँवों में जनसंपर्क अभियान के दौरान श्री चौटाला ने कहा कि विनेश का विषय देश की भावना से जुड़ा है इसलिए इस पर राजनीति करना उचित नहीं है। जजपा अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री नायब सिंह हर रोज नई-नई घोषणाएँ करके जनता को गुमराह कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के साथ कांग्रेस भी चुनाव के समय झूठी घोषणाएँ करके जनता को गुमराह करने की कोशिश कर रही है। ओलंपिक में फाइनल में पहुँचने के बाद वजन मामूली ज्यादा होने के कारण अयोग्य करार दी गई पहलवान विनेश को राज्यसभा भेजने की बात सबसे पहले नेता प्रतिपक्ष भूपेन्द्र सिंह हुड्डा ने कही थी। उन्होंने कहा था कि यदि कांग्रेस के पास बहुमत होता तो विनेश को राज्यसभा भेजते। उन्होंने यह मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के उस बयान पर प्रतिक्रिया स्वरूप कहा था जिसमें मुख्यमंत्री ने कहा था कि विनेश को वह सब सुविधाएँ और सम्मान हरियाणा सरकार देगी जो रजत पदक विजेता को दी जाती है।

## नीरज का आलीशान घर, लजरी गाड़ियों और बाइक के लिए अलग पार्किंग

नई दिल्ली, 11 अगस्त। भारत के स्टाार जैवलिन श्रो खिलाड़ी नीरज चोपड़ा ने पेरिस ओलंपिक में देश के लिए सिल्वर मेडल जीता। आजादी के बाद नीरज देश के पहले एथलीट हैं जिन्होंने दो मेडल जीते हैं। इससे पहले उन्होंने टोक्यो ओलंपिक 2020 में गोल्ड मेडल जीता था। ओलंपिक चैंपियन बनने के बाद नीरज पर करोड़ रुपये की बरसात हुई। नीरज ने इन पैसों से अपने गाँव में आलीशान घर बनाया है। ये घर किसी एक्टर या नेता के घर से कम नहीं है। वहीं नीरज के घर का वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है। नीरज के घर के बाहर नेमप्लेट पर लिखा हुआ है। साथ ही वासुधेव कुटुंबकम लिखा है। वहीं घर के अंदर घुसते ही पार्किंग नजर आएगी। इस पार्किंग में कई लजरी गाड़ियाँ हैं, इसमें महिंद्रा थार, रेंड रोवर, मशरटो जैसी कारें शामिल हैं। जबकि इसके अलावा बाइक्स के लिए अलग से पार्किंग है। नीरज चोपड़ा के घर के आंगन में ही एक बड़ा मंदिर भी है। पूरे घर में पेड़ पौधे हैं और हर तरफ हरियाली आंदोल में योगदान देने के लिए प्रेरित करेगा। उन्होंने कहा, और दो दशक से अधिक समय तक अपने ओलंपिक सपने को पूरा करने में सक्षम होना मेरे लिए सौभाग्य की बात थी। खिलाड़ी के तौर पर अपने करियर के बाद, ओलंपिक आंदोल में योगदान देने की कोशिश करना मेरे लिए बहुत बड़ा जुनून रहा है।

## पेरिस ओलंपिक खेलों में सर्वाधिक 40 स्वर्ण पदक के साथ चीन का दबदबा रहा

पेरिस, 11 अगस्त। पेरिस ओलंपिक 2024 खेलों में चालीस स्वर्ण पदक के साथ चीन ने दबदबा कायम रखा वहीं अमेरिका 38 स्वर्ण पदक के साथ दूसरे स्थान रहा। वहीं कुल पदकों के मामले में अमेरिका 124 पदकों के साथ एकमात्र शतकवीर रहा। चीन ने पेरिस खेलों में सर्वाधिक 40 स्वर्ण, 27 रजत और 24 कांस्य पदकों सहित कुल 91 पदक जीते हैं। इसी तरह अमेरिका 38 स्वर्ण, 44 रजत और 42 कांस्य सहित कुल सर्वाधिक 124 पदक के साथ पदक तालिका में दूसरे स्थान पर रहा।

इसके बाद तीसरे स्थान पर जापान ने 20 स्वर्ण , 12 रजत एवं 13 कांस्य पदक के साथ कुल 45 पदक जीते। चौथे पायदान पर रहते हुए ऑस्ट्रेलिया ने कुल 53 पदक जीते जिनमें 18 स्वर्ण , 19 रजत एवं 16 कांस्य पदक है। इसी तरह मेजबान फ्रांस 16 स्वर्ण , 25 रजत एवं 22 कांस्य पदक के साथ पाँचवें स्थान पर रहा। भारत ने एक रजत एवं पाँच कांस्य पदक जीते हैं। टोक्यो ओलंपिक 2020 में भारत को सात पदक मिले थे। छठे स्थान पर रहते हुए नीदरलैंड ने 15 स्वर्ण , सात रजत एवं 12 कांस्य पदक के साथ कुल 34 पदक जीते। ग्रेट

ब्रिटेन 14 स्वर्ण 22 रजत एवं 29 कांस्य पदक के साथ 65 पदक जीतकर सातवें स्थान पर, दक्षिण कोरिया 13 स्वर्ण, नौ रजत एवं 10 कांस्य पदकों के साथ कुल 32 पदकों के साथ आठवें स्थान पर रहा। इटली 12 स्वर्ण, 13 रजत एवं 15 कांस्य पदकों के कुल 40 पदक जीतकर नौवें स्थान एवं जर्मनी 12 स्वर्ण, 13 रजत एवं आठ कांस्य के साथ कुल 33 पदक जीतकर दसवें स्थान पर रहा।

भारत पदक तालिका में कुल छह पदकों के साथ 71वें स्थान पर रहा है। भारत के लिए पेरिस 2024 में निशानेबाजी में मनु भास्कर ने महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल शूटिंग में कांस्य पदक जीतकर देश को पहला पदक दिलाया। इस तरह वह ओलंपिक निशानेबाजी में भारत की पहली पदक विजेता बन गईं। फाइनल में वह दक्षिण कोरिया की ओह ये जिन और किम येजी से पीछे रहीं।

मनु भास्कर ने पेरिस 2024 ग्रीष्मकालीन खेलों में इतिहास रच दिया और वह एक ही संस्करण में दो पदक जीतने वाली पहली भारतीय बन गईं। महिलाओं की व्यक्तिगत स्पर्धा में कांस्य पदक जीतने के कुछ दिनों बाद उन्होंने सर्वजोत सिंह के साथ मिलकर मिश्रित टीम 10 मीटर एयर

पिस्टल स्पर्धा में कांस्य पदक जीता। इन दोनों ने टीम पदक के लिए दक्षिण कोरियाई प्रतिद्वंद्वियों को हराया। इसी तरह निशानेबाज स्वप्निल कुसाले ने पेरिस 2024 में भारत के लिए तीसरा पदक जीता। इसी के साथ भारत ने ओलंपिक में किसी एक संस्करण में देश के लिए शूटिंग में सबसे अधिक पदक जीते। उन्होंने पुरुषों की 50 मीटर राइफल श्री पोजीशन स्पर्धा में कांस्य पदक जीता। इन तीन पदकों ने लंदन 2012 में निशानेबाजी में जीते गए भारत के दो पदकों के प्रदर्शन को पीछे छोड़ दिया। हालांकि, यह ओलंपिक में 50 मीटर राइफल 3 पोजीशन शूटिंग इवेंट में पहला पदक था।

भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने कांस्य पदक मैच में स्पेन को 2-1 से हराकर ओलंपिक में अपना लगातार दूसरा पदक जीता। यह भारतीय हॉकी का 1968, 1972 और 2020 खेलों के बाद चौथा ओलंपिक कांस्य पदक था और उनका कुल मिलाकर 13वां ओलंपिक पदक। पेरिस में भारत के लिए कप्तान हरमनप्रीत सिंह कुल दस गोल किए। मौजूदा विश्व चैंपियन नीरज चोपड़ा पेरिस 2024 ओलंपिक में पुरुष भाला फेंक फाइनल में अपने टोक्यो 2020 खिताब का बचाव करने से ज़रूर चूक गए।

## आईओसी ने अभिनव बिंद्रा को किया ओलंपिक ऑर्ड से सम्मानित

नई दिल्ली, 11 अगस्त। भारतीय निशानेबाज अभिनव बिंद्रा को ओलंपिक आंदोलन में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए शनिवार को अंतर्राष्ट्रीय समिति ने ओलंपिक ऑर्डर अर्वाॉर्ड से सम्मानित किया। पेरिस में जारी 142वें आईओसी सत्र के दौरान उन्हें इस अर्वाॉर्ड से नवाजा गया। उनसे पहले भारत की पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को 1983 में इस अर्वाॉर्ड से सम्मानित किया गया था।

भारतीय निशानेबाज अभिनव बिंद्रा को ओलंपिक आंदोलन में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए शनिवार को अंतर्राष्ट्रीय समिति ने ओलंपिक ऑर्डर अर्वाॉर्ड से सम्मानित किया। पेरिस में जारी 142वें आईओसी सत्र के दौरान उन्हें इस अर्वाॉर्ड से नवाजा गया। उनसे पहले भारत की पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को 1983 में इस अर्वाॉर्ड से सम्मानित किया गया था।



था। बीजिंग 2008 ओलंपिक खेलों में 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में टॉप स्थान हासिल करके भारत के पहले ओलंपिक व्यक्तिगत गोल्ड मेडलिस्ट बने बिंद्रा को अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति ने सम्मानित किया। बिंद्रा ने कहा कि, जब मैं छोटा था तो ये ओलंपिक रिंग्स ही थे, जिन्होंने मेरे जीवन को अर्थ दिया। आईओसी खिलाड़ी आयोग के उपाध्यक्ष बिंद्रा ने कहा कि ये पुरस्कार उन्हें और भी अधिक प्रेरित करने और ओलंपिक आंदोल में योगदान देने के लिए प्रेरित करेगा। उन्होंने कहा, और दो दशक से अधिक समय तक अपने ओलंपिक सपने को पूरा करने में सक्षम होना मेरे लिए सौभाग्य की बात थी। खिलाड़ी के तौर पर अपने करियर के बाद, ओलंपिक आंदोल में योगदान देने की कोशिश करना मेरे लिए बहुत बड़ा जुनून रहा है।

## बीस भारतीय एथलीटों को ओलंपिक में ध्वजवाहक बनने का सम्मान मिला

पेरिस, 11 अगस्त। भारत की ओर से ओलंपिक खेलों के उद्घाटन समारोह में राष्ट्रीय ध्वजवाहक बनने वाले पहले एथलीट पुरमा बनर्जी के बाद अब तक बीस एथलीटों को यह सम्मान मिला है। हॉकी खिलाड़ियों को सबसे अधिक छह बार यह सम्मान हासिल हुआ है। बेल्जियम के हुये ऐंठेवर्प ओलंपिक 1920 में 400 मीटर धावक पुरमा बनर्जी को पहला भारतीय ध्वजवाहक बनने का सम्मान मिला था। ग्रीष्मकालीन खेलों में एक देश का ध्वजवाहक राष्ट्र के मूल्यों का प्रतिनिधित्व करता है और इसे ओलंपिक आदर्शों के प्रतीक के रूप में देखा जाता है। यह भविष्य के लिए एक प्रेरणा या रोल मॉडल हो सकता है। वर्षों से भारत के लिए ओलंपिक ध्वजवाहक अपने-अपने खेलों के अग्रणी खिलाड़ी रहे हैं। उन्होंने कई बार अपनी उपलब्धियों से देश को गौरवान्वित किया है। उनकी पहचान भारत के महान खिलाड़ियों के रूप में होती है। आजाद भारत में लंदन ओलंपिक 1948 के पहले ध्वजवाहक होने का सम्मान भारतीय पुरुष फुटबॉल टीम के प्रेरणादायक पहले कप्तान डॉ. तालीमदीन एओ को मिला। लेकिन इनमें से केवल आठ ही ऐसे एथलीट्स हैं, जिन्होंने ओलंपिक में पदक जीता। देश के एकमात्र पहले व्यक्तिगत स्वर्ण पदक विजेता अभिनव बिंद्रा रियो ओलंपिक 2016 में भारत के ध्वजवाहक थे। यह उनका आखिरी ओलंपिक भी था। ध्वजवाहकों में अन्य स्वर्ण पदक विजेताओं में 1932 ओलंपिक हॉकी टीम के कप्तान लाल चंद भोक्री, जादूगर ध्यान चंद, दिग्गज बलबीर सिंह सोनियर और जफर इकबाल भी शामिल हैं।

# मनु भास्कर-सरबरोज सिंह को मिला सरकारी नौकरी का ऑफर

नई दिल्ली, 11 अगस्त। भारत को पेरिस ओलंपिक 2024 में शूटिंग से तीन मेडल मिले। भारत को सर्वजोत सिंह और मनु भास्कर ने ब्रॉन्ज मेडल दिलाया। मनु और सरबरोज सिंह ने हाल ही में हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने मुलाकात की। इन दोनों को हरियाणा सरकार ने नौकरी का ऑफर दिया है। लेकिन दोनों ही नौकरी करने से इंकार कर दिया है। सर्वजोत और मनु ने नौकरी का ऑफर न स्वीकार करने का कारण भी बताया।

हरियाणा के मुख्यमंत्री के मीडिया कॉर्डिनेटर मुकेश वशिष्ठ ने इस मसले पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि, इन दोनों खिलाड़ियों को नौकरी जॉइन करना मुश्किल है। ये दोनों मेडल के लिए खेल रहे हैं। मनु और सरबरोज सिंह का कहना है कि वे दोनों गोल्ड मेडल के लिए खेल रहे हैं, न की नौकरी के लिए, मनु और सरबरोज को खेल विभाग में डिप्टी डायरेक्टर की पोस्ट ऑफर की गई थी, इन दोनों से पहले और भी एथलीट्स को



नौकरी का ऑफर मिल चुके हैं। अगर मेडल टैली पर नजर डालें तो इसमें चीन सबसे ऊपर है। चीन ने कुल 90 मेडल जीते हैं, इसमें 39 गोल्ड, 27 सिल्वर और 24 ब्रॉन्ज हैं। दरअसल, मेडल टैली में सबसे ज्यादा गोल्ड जीतने वाला देश सबसे ऊपर

रहा है। यूएसए दूसरे नंबर पर है। उसने 38 गोल्ड समेत 122 मेडल जीते हैं। इसमें 42 सिल्वर और 42 ब्रॉन्ज मेडल शामिल हैं। ऑस्ट्रेलिया 18 गोल्ड मेडल के साथ 18 सिल्वर और 14 ब्रॉन्ज मेडल शामिल हैं।

# डॉ. मनीष अग्रवाल अध्यक्ष व अरुण प्रताप सिंह बने सचिव

## मुकेश अग्रवाल बने वरिष्ठ उपाध्यक्ष, ललित गुप्ता सहित चार उपाध्यक्ष बने, जयपुर जिला हैंडबॉल संघ के चुनाव सम्पन्न

जयपुर, 11 अगस्त। रविवार को संडे होटल में संपन्न हुये जयपुर जिला हैंडबॉल संघ के चुनावों में डॉ. मनीष अग्रवाल अध्यक्ष पद पर तथा अरुण प्रताप सिंह मानद सचिव पद पर निर्वाचन निर्वाचित हुये। जबकि सीए मुकेश अग्रवाल वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर निर्वाचित हुये। ललित गुप्ता, सुब्रत सेन, आशीष जैन व अनिरुद्ध सिंह राजावत उपाध्यक्ष चुने गये।

इन चुनावों में जिला क्रीड़ा परिषद की ओर से राजेश कुमार टेंडर, जयपुर जिला ओलंपिक संघ की ओर से भंवर लाल शर्मा, राजस्थान राज्य हैंडबॉल संघ की ओर से चंद्रवीर सिंह राजावत पर्यवेक्षक के रूप में मौजूद थे। चुनाव अधिकारी रिटायर्ड खेल अधिकारी महेश चंद सैनी थे। यह चुनाव राजस्थान स्पोर्ट्स एक्ट-2005 व नेशनल



स्पोर्ट्स डेवलपमेंट कोड-2011 के प्रावधानों के तहत हुए हैं। निवर्तमान सचिव यश प्रताप सिंह ने नवनिर्वाचित कार्यकारिणी का माला पहनाकर स्वागत किया। नवनिर्वाचित अध्यक्ष डा. मनीष अग्रवाल ने कहा कि जल्दी ही कार्यकारिणी की बैठक आयोजित कर आगामी टूर्नामेंटों की रूपरेखा तैयार की जायेगी। नवनिर्वाचित कार्यकारिणी : अध्यक्ष: डा. मनीष अग्रवाल। वरिष्ठ उपाध्यक्ष: मुकेश अग्रवाल। उपाध्यक्ष: ललित गुप्ता, सुब्रत सेन, अनिरुद्ध सिंह राजावत। मानद सचिव: अरुण प्रताप सिंह। कोषाध्यक्ष: लोकेश शर्मा। संयुक्त सचिव: महिबुद्दीन सिंह, विनोद बालोदिया, पीयूष तिवारी, हर्षवर्धन सिंह सोलंकी। कार्यकारिणी सदस्य: दीपक गुप्ता, मोहित शर्मा, दीपेंद्र प्रधान, अभिनव पालीवाल।

# पेरिस ओलंपिक खेलों में अमेरिका नंबर वन

पेरिस, 11 अगस्त। पेरिस ओलंपिक 2024 खेलों में पदकों का शतकवीर अमेरिका ने 126 पदकों के साथ अपना नंबर वन का रूतबा कायम रखा। वहीं 91 पदकों के साथ चीन दूसरे स्थान पर है। अमेरिका ने 40 स्वर्ण, 44 रजत और 42 कांस्य सहित कुल सर्वाधिक 126 पदक जीते हैं और वह पदक तालिका में शीर्ष पर। वहीं चीन सर्वाधिक 40 स्वर्ण, 27 रजत और 24 कांस्य पदकों सहित कुल 91 पदक के साथ दूसरे स्थान पर पहुंच गया है। इसके बाद तीसरे स्थान पर जापान ने 20 स्वर्ण , 12 रजत एवं 13 कांस्य पदक के साथ कुल 45 पदक जीते। चौथे पायदान पर रहते हुए ऑस्ट्रेलिया ने कुल 53 पदक जीते जिनमें 18 स्वर्ण , 19 रजत एवं 16 कांस्य पदक है।

इसी तरह मेजबान फ्रांस 16 स्वर्ण , 25 रजत एवं 22 कांस्य पदक के साथ कुल 64 पदकों के पांचवें स्थान पर रहा। छठे स्थान पर रहते हुए नीदरलैंड ने 15 स्वर्ण , सात रजत एवं 12 कांस्य पदक के साथ कुल 34 पदक जीते। ब्रिटेन 14 स्वर्ण 22 रजत एवं 29 कांस्य पदक के साथ 65 पदक जीतकर सातवें स्थान पर, दक्षिण कोरिया 13 स्वर्ण, नौ रजत एवं 10 कांस्य पदकों के साथ कुल 32 पदकों के साथ आठवें स्थान पर रहा। इटली 12 स्वर्ण, 13 रजत एवं 15 कांस्य पदकों के कुल 40 पदक जीतकर नौवें स्थान एवं जर्मनी 12 स्वर्ण, 13 रजत एवं आठ कांस्य के साथ कुल 33 पदक जीतकर दसवें स्थान पर रहा। भारत पदक तालिका में कुल छह पदकों के साथ 71वें स्थान पर रहा है। भारत ने एक रजत एवं पाँच कांस्य पदक जीते हैं। टोक्यो ओलंपिक 2020 में भारत को कुल सात पदक मिले थे।

भारत के लिए पेरिस 2024 में निशानेबाजी में मनु भास्कर ने महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल शूटिंग में कांस्य पदक जीतकर देश को पहला पदक दिलाया। इस तरह वह ओलंपिक निशानेबाजी में भारत की पहली पदक विजेता बन गईं। फाइनल में वह दक्षिण कोरिया की ओह ये जिन और किम येजी से पीछे रहीं। मनु भास्कर ने पेरिस 2024 ग्रीष्मकालीन खेलों में इतिहास रच दिया और वह एक ही संस्करण में दो पदक जीतने वाली पहली भारतीय बन गईं। महिलाओं की व्यक्तिगत स्पर्धा में कांस्य पदक जीतने के कुछ दिनों बाद उन्होंने सर्वजोत सिंह के साथ मिलकर मिश्रित टीम 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में कांस्य पदक जीता। इन दोनों ने टीम पदक के लिए दक्षिण कोरियाई प्रतिद्वंद्वियों को हराया।

इसी तरह निशानेबाज स्वप्निल कुसाले ने पेरिस 2024 में भारत के लिए तीसरा पदक जीता। इसी के साथ भारत ने ओलंपिक में किसी एक संस्करण में देश के लिए शूटिंग में सबसे अधिक पदक जीते। उन्होंने पुरुषों की 50 मीटर राइफल श्री पोजीशन स्पर्धा में कांस्य पदक जीता। इन तीन पदकों ने लंदन 2012 में निशानेबाजी में जीते गए भारत के दो पदकों के प्रदर्शन को पीछे छोड़ दिया। हालांकि, यह ओलंपिक में 50 मीटर राइफल 3 पोजीशन शूटिंग इवेंट में पहला पदक था। भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने कांस्य पदक मैच में स्पेन को 2-1 से हराकर ओलंपिक में अपना लगातार दूसरा पदक जीता। यह भारतीय हॉकी का 1968, 1972 और 2020 खेलों के बाद चौथा ओलंपिक कांस्य पदक था और उनका कुल मिलाकर 13वां ओलंपिक पदक। पेरिस में भारत के लिए कप्तान हरमनप्रीत सिंह कुल दस गोल किए।

मौजूदा विश्व चैंपियन नीरज चोपड़ा पेरिस 2024 ओलंपिक में पुरुष भाला फेंक फाइनल में अपने टोक्यो 2020 खिताब का बचाव करने से ज़रूर चूक गए लेकिन 89.45 मीटर का श्रो करके रजत पदक जीता, जो उनके करियर का दूसरा सर्वश्रेष्ठ श्रो है। वह ओलंपिक में दो पदक जीतने वाले स्वतंत्र भारत के पहले टैक एंड फील्ड एथलीट बन गए। अमन सहरावत ने पेरिस 2024 में पुरुषों की 57 किग्रा फ्रीस्टाइल कुश्ती स्पर्धा में भारत के लिए लगातार दूसरा ओलंपिक पदक जीता। भारतीय पहलवान ने कांस्य पदक मुकाबले में प्यूटों रिको के डेरिशन क्रूज को 13-5 से हराया। कांस्य पदक मैच से पहले अमन ने पेरिस ओलंपिक में सेमीफाइनल तक का सफर तय किया था, जिसमें पूर्व विश्व चैंपियन अल्बानिया के जेलिमखान अब्बकारोव पर जीत भी शामिल थी। 21 साल 24 दिन के अमन सहरावत ओलंपिक में भारत के सबसे कम उम्र के पदक विजेता रहे।

## पहली ग्रांट से रिपेयर होगा जीएनडीयू का एस्ट्रो टर्फ : औजला

अमृतसर, 11 अगस्त। पंजाब के अमृतसर से कांग्रेस सांसद गुरजीत सिंह औजला ने रविवार को कहा कि वह पहली ग्रांट आने पर ही गुरु नानक देव युनिवर्सिटी (जीएनडीयू) में 25 लाख के खर्च से एस्ट्रो टर्फ की मरम्मत कराएंगे और हर साल एक टर्फ बनाया जाएगा ताकि खिलाड़ी नम लगाकर खेल सकें। औजला ने आज ओलंपिक में कांस्य पदक जीतकर वापिस आये नैशनल हॉकी टीम का श्री गुरु राम दास जी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर स्वागत करते हुए कहा कि इन खिलाड़ियों ने बेहद उसाह के साथ पंजाब का और देश का नाम ऊंचा किया है। उन्होंने खिलाड़ियों के लिए एक करोड़ की घोषणा होने पर कहा कि पिछली बार कैप्टन अमरिंदर सिंह सरकार में भी पहले विजेता टीम के लिए एक करोड़ की घोषणा की थी लेकिन मैं खुद जोर देकर उसे दो करोड़ 51 लाख रु कराया था। उन्होंने कहा कि वह खुद खिलाड़ी रहे हैं और जानते हैं कि दिन रात की मेहनत के बाद ही जीत हासिल हो पाती है। औजला ने कहा कि पंजाब में नशे के दरिया को रोकने के लिए खेलों को प्रोमोट करना बेहद जरूरी है। इसीलिए जब हरियाणा खिलाड़ियों को ढाई करोड़ दे रहा है तो पंजाब के खिलाड़ियों को भी ढाई करोड़ मिलने चाहिए। उन्होंने कहा कि यह खिलाड़ी हर किसी के लिए मिसाल के रूप में उभरे हैं और इन्हें देखकर ही युवकों को प्रेरणा लेनी चाहिए। आने वाली पीढ़ी को खेलों के प्रति रुचि दिखानी चाहिए ताकि वह अपना का और देश का नाम रोककर कर सकें।

## विश्व स्तर पर पदक जीतने वाले खिलाड़ियों की पुरस्कार राशि को बढ़ाया : अवशती

सोलन, 11 अगस्त। हिमाचल प्रदेश के मुख्य संसदीय सचिव संजय अवस्थी ने कहा कि राज्य के खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से प्रदेश सरकार ने न केवल विश्व स्तर पर पदक जीतने वाले खिलाड़ियों की पुरस्कार राशि को बढ़ाया है अपितु विभिन्न स्तरों की प्रतिस्पर्धाओं में खिलाड़ियों को दी जानी वाली ड्राईट मनी में भी वृद्धि की है। अवस्थी 14 वर्ष को अर्क विधानसभा क्षेत्र के राजकीय छात्र वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला में रविवार को एक आयुर्वर्ग की तीस दिवसीय खण्ड खेल-कूद प्रतियोगिता के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे थे।

अवस्थी ने कहा कि खेल व्यक्तिगत विकास के साथ-साथ राष्ट्र एवं प्रदेश की छवि को सशक्त बनाने का बेहतर माध्यम है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री सुखबिंदर सिंह सुक्खू के कुशल नेतृत्व में प्रदेश सरकार युवाओं को बेहतर खेल अधोसंरचना एवं प्रोत्साहन प्रदान करने के लिए प्रयासरत है। ओलंपिक्स खेलों की व्यक्तिगत स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतने पर दी जानी वाली पुरस्कार राशि तीन करोड़ रुपये से बढ़ाकर पाँच करोड़ रुपये, रजत पदक जीतने पर पुरस्कार राशि दो करोड़ रुपये से बढ़ाकर तीन करोड़ रुपये तथा कांस्य पदक जीतने पर पुरस्कार राशि को एक करोड़ रुपये से बढ़ाकर दो करोड़ रुपये किया गया है। उन्होंने कहा कि एशियन खेलों और राष्ट्र मण्डल खेलों में पदक जीतने वाले खिलाड़ियों की पुरस्कार राशि में भी वृद्धि की गई है।

उन्होंने कहा कि विभिन्न स्तरों की प्रतिस्पर्धाओं में खिलाड़ियों को दी जाने वाली ड्राईट मनी में आशातीत वृद्धि की गई है। प्रदेश सरकार का उद्देश्य न केवल खिलाड़ियों के मनोबल को बढ़ाना है अपितु उन्हें भविष्य की चिंता से मुक्त भी करना है।

अवस्थी ने अध्यापकों और छात्रों से आग्रह किया कि एक खेल में उत्कृष्ट बनें ताकि उनकी प्रतिभा राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश और प्रदेश का नाम रोशन कर सके। उन्होंने कहा कि लक्ष्य निर्धारित कर किए जाने वाले कार्यों में सफलता प्राप्त होती है। उन्होंने छात्रों से आग्रह किया कि हार से निराश न हों अपितु हार से सबक लेकर अपनी गलतियों को सुधारते हुए जीत प्राप्त करना का प्रयास करें।

मुख्य संसदीय सचिव ने कहा कि खिलाड़ी समाज के लिए प्रेरणा स्रोत होते हैं और नशे के विरुद्ध खिलाड़ियों के सामूहिक प्रयास युवाओं को नशे से दूर रखने में सहायक होंगे। उन्होंने सभी से आग्रह किया कि हिमाचल को नशा मुक्त बनाने में प्रदेश सरकार के प्रयासों को सहयोग दें।

अवस्थी ने राजकीय छात्र वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला अर्कट में शौचालय निर्माण के लिए 23 लाख रुपये प्रदान करने तथा छत की मरम्मत के लिए प्राकलन अनुसार धराराशि प्रदान करने की घोषणा की। उन्होंने खेलकूद प्रतियोगिताओं के आयोजकों को 21 हजार रुपये देने की घोषणा भी की।

उन्होंने इस अवसर पर सभी को विश्वास दिलाया कि अर्कट विधानसभा क्षेत्र का समुचित विकास उनकी प्रार्थनामयता है और विकास के लिए धन की कोई कमी नहीं रहने दी जाएगी। आज से आरम्भ हुई इस तीन दिवसीय खण्ड स्त्रीय खेलकूद प्रतियोगिता में 18 विद्यालयों के 210 छात्र भाग ले रहे हैं। कबड्डी, वॉलीबॉल, खो-खो, बैडमिंटन और मार्चपास्ट इत्यादि खेल प्रतियोगिताएँ आयोजित की जाएंगी। इस अवसर पर छात्रों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किया गया।





प्रदेश में लगातार हो रही बारिश और जलभराव की स्थिति से निपटने के लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को आपदा प्रबंधन विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में मुख्यमंत्री सभी अधिकारियों एवं जिला सचिवों को जिलों का दौरा करने तथा आपदा राहत के त्वरित इंतजाम करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि, जान-माल के नुकसान से बचाना एवं सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम करना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

## मुख्यमंत्री ने अतिवृष्टि प्रभावित क्षेत्रों में त्वरित राहत पहुंचाने के निर्देश दिए

**मु.मंत्री भजनलाल शर्मा ने आपदा प्रबंधन की समीक्षा बैठक में कहा कि अतिवृष्टि की स्थिति का जायजा लेने के लिए प्रभारी सचिव जिलों का दौरा करें**

जयपुर, 11 अगस्त (का.सं.)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को अतिवृष्टि प्रभावित क्षेत्रों के संबंध में मुख्यमंत्री कार्यालय में उच्चधिकारियों की बैठक ली। उन्होंने प्रभावित क्षेत्रों में हर संभव और त्वरित राहत पहुंचाने तथा बचाव-राहत कार्य को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए आपदा प्रबंधन गतिविधियों को अधिक सक्रिय बनाने के लिए निर्देश दिए।

शर्मा ने बैठक में निर्देश दिए कि प्रभारी सचिव अपने प्रभार वाले जिलों का दौरा कर अतिवृष्टि की स्थिति का जायजा लें और जिला प्रशासन के माध्यम से प्रभावित क्षेत्रों में तुरंत राहत पहुंचाएं। मुख्यमंत्री ने सुरक्षा की दृष्टि

**मुख्यमंत्री ने विभागों की संयुक्त टीमें गठित करने तथा बचाव एवं राहत कार्य में गति लाने के निर्देश दिये।**

से पुलिस प्रशासन की पूर्ण सतर्कता सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने निर्देश दिए कि संबंधित विभागों की संयुक्त टीमें गठित कर तत्काल राहत कार्यों में गति लाई जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि बचाव व राहत कार्य को लेकर जिला प्रशासन अलर्ट मोड पर रहे एवं जलभराव क्षेत्रों

का दौरा कर पानी निकाली की व्यवस्था सुनिश्चित करें तथा प्रभावित क्षेत्रों में पानी, बिजली सहित बुनियादी सुविधाओं की शीघ्र बहाली की जाए। साथ ही उन्होंने भोजन, पेयजल, दवाइयों की तत्काल व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्देश दिए कि मौसमी बीमारियों की रोकथाम हेतु मुस्तीदी से कार्य करें एवं आमजन में जागरूकता हेतु एडवाइजरी जारी की जाए।

शर्मा ने कहा कि राज्य एवं जिला स्तरीय आपदा प्रबंधन कंट्रोल रूम की व्यवस्था को चाक-चौबंद रखा जाए। साथ ही, मौसम विभाग के आने वाले दिनों के पूर्वानुमान के आधार पर आवश्यक ऐहतियाती उपाय किए

जाएं। उन्होंने निर्देश दिए कि क्षतिग्रस्त बांधों और नहरों की स्थिति की लगातार निगरानी की जाए।

बैठक में मुख्य सचिव सुधांशु पंत, पुलिस महानिदेशक यू.आर.साहू, अतिरिक्त मुख्य सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय शिखर अग्रवाल, अतिरिक्त मुख्य सचिव आपदा प्रबंधन आनन्द कुमार, प्रमुख सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय आलोक गुप्ता, प्रमुख शासन सचिव नगरीय विकास एवं आवासन टी. रविकान्त, आयुक्त जयपुर विकास प्राधिकरण मंजू राजपाल, चैयरमैन डिस्कॉम्स भानू प्रकाश पट्टरू सहित आपदा प्रबंधन, सहायता एवं नागरिक सुरक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

# प्रदेश को बनायेंगे ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर : भजनलाल शर्मा

**मुख्यमंत्री ने भीलवाड़ा नगर निगम सहित बजट घोषणाओं के लिए आभार सभा को म्बोधित किया**

जयपुर, 11 अगस्त (का.सं.)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अपने निवास पर भीलवाड़ा नगर परिषद को नगर निगम में क्रमोन्नत करने सहित भीलवाड़ा और जहाजपुर विधानसभा क्षेत्र से संबंधित बजट घोषणाओं के लिए आयोजित आभार सभा को संबोधित करते हुए कहा कि, राज्य सरकार समाज के सभी वर्गों की आकांक्षाओं के अनुरूप विकसित राजस्थान के संकल्प के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि परिवर्तित राज्य बजट 2024-25 विकसित राजस्थान की धुरी है। इसमें प्रदेशवासियों से प्राप्त विभिन्न सुझावों को शामिल करते हुए राज्य के विकास का रोडमैप तैयार किया गया है तथा हर क्षेत्र और हर वर्ग को सौगातें दी गई हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के विकास के लिए बिजली और पानी सबसे महत्वपूर्ण आवश्यकताएं होती हैं। इसलिए हमारी सरकार इन क्षेत्रों के लिए प्राथमिकता से कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि राज्य की ऊर्जा जरूरतों को ध्यान में रखते हुए नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा देने एवं ऊर्जा उत्पादक

**मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के सर्वांगीण विकास के लिए हर क्षेत्र-हर वर्ग सौगातें दी गई हैं।**

इकाइयां स्थापित करने के लिए विभिन्न एमओयू किये गये हैं। हमारा लक्ष्य वर्ष 2027 तक राजस्थान को ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाना है। शर्मा ने कहा कि प्रदेशवासियों को शुद्ध पेयजल एवं सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध कराने के लिए हमारी सरकार पूर्वी राजस्थान के लिए ईआरसीपी के साथ ही शेखावाटी के लिए यमुना जल समझौता तथा दक्षिण राजस्थान के जिलों के लिए देवास परियोजना का धरातल पर क्रियान्वयन कर रही है। उन्होंने कहा कि बिजली-पानी की पर्याप्त उपलब्धता से राज्य में कृषि, उद्योग एवं पर्यटन क्षेत्र को बढ़ावा मिलेगा जिससे विकसित राजस्थान का सपना साकार होगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भीलवाड़ा शहर का विस्तार तेजी से हो रहा है। हमने भविष्य की जरूरतों को समझते

हुए भीलवाड़ा नगर परिषद को नगर निगम में क्रमोन्नत करने का फैसला लिया है। उन्होंने कहा कि परिवर्तित राज्य बजट में भीलवाड़ा विधानसभा क्षेत्र के लिए कई महत्वपूर्ण घोषणाएं की गई हैं। इनमें भीलवाड़ा में 132 केवी जीएसएस एवं बीएसपी नगर में 33/11 केवी जीएसएस का निर्माण तथा 8 करोड़ रुपये से भीलवाड़ा-देवगढ़ वाया पारसल, पिशास बागोर, बोराणा जगदीश सड़क चौड़ाईकरण कार्य शामिल हैं। शर्मा ने कहा कि भीलवाड़ा में टैक्सटाइल पार्क स्थापित करने के साथ ही 12 करोड़ रुपये से मानसरोवर झील के विकास कार्य भी करवाये जायेंगे। इसके अतिरिक्त उदयपुर, चित्तौड़गढ़ एवं भीलवाड़ा में पेयजल तथा सिंचाई के लिए 30 करोड़ रुपये की परियोजना एवं जयपुर-भीलवाड़ा झीपी फाईव एक्सप्रेसवे के निर्माण को द्रोणीआर बनायी जानी भी प्रस्तावित है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जहाजपुर विधानसभा क्षेत्र के लिए भी राज्य बजट में कई प्रावधान किए गए हैं। लगभग 71 करोड़ रुपये की लागत से क्षेत्र की

विभिन्न सड़कों का निर्माण उन्नत एवं चौड़ाईकरण कार्य कराये जायेंगे। साथ ही पीपलूंद में औद्योगिक क्षेत्र तथा पण्डेर में औद्योगिक पार्क स्थापित किया जायेगा। शर्मा ने कहा कि जहाजपुर-शाहपुरा के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र को उप जिला चिकित्सालय में तथा अमरगढ़ एवं सरदार नगर (बनेड़ा) के उप स्वास्थ्य केन्द्रों को प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों में क्रमोन्नत किया जायेगा। उन्होंने कहा कि शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए जहाजपुर-शाहपुरा में कन्या महाविद्यालय, कोटडी में नवीन महाविद्यालय तथा सरसिया में जनजाति बालिका छात्रावास खोला जायेगा। इसके अतिरिक्त गुदरा में 33/11 केवी जीएसएस का निर्माण भी करवाया जायेगा।

कार्यक्रम में जहाजपुर और भीलवाड़ा विधानसभा क्षेत्र से आये लोगों ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को साफा एवं दुपट्टा पहनाकर उनका अभिनंदन किया एवं शौर्य के प्रतीक के रूप में तलवार भेंट की। इस अवसर पर जहाजपुर विधायक गोपीचंद मीणा एवं भीलवाड़ा नगर परिषद के सभापति राकेश पाठक सहित विभिन्न जन प्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित थे।

**‘अडानी ग्रुप ...**

**(प्रथम पृष्ठ का शेष)**

महाने बाद एक ब्लॉगपोस्ट में आरोप लगाया, सेबी ने अडानी के मॉरीशस और विदेश स्थित फर्जी कंपनियों के कथित अघोषित जाल में आश्रयजनक रूप से रुचि नहीं दिखाई है।

अडानी समूह ने अमेरिकी शोध एवं निवेश फर्म हिंडनबर्ग रिसर्च के नवीनतम आरोपों को दुर्भावनापूर्ण और चुनिंदा सार्वजनिक सूचनाओं से छेड़छाड़ करने वाला बताया है। रविवार को कहा कि उसका बाजार नियामक सेबी की अध्यक्ष या उनके पति के साथ कोई वाणिज्यिक संबंध नहीं है।

**‘बांग्लादेश के रणनीतिक द्वीप ...**

**(प्रथम पृष्ठ का शेष)**

मेरी सलाह कायम रहती। उन्होंने कहा, लेकिन मैंने अपने देश के लोगों का ख्याल रखा। शेख हसीना ने लोगों से यह भी अपील की कि वह उग्रवादियों के बहकावे में न आएं। गौरतलब है कि मई में हसीना ने बांग्लादेश और म्यांमार के कुछ हिस्सों को विभाजित करके पूर्वी तिमोर की तरह एक ईसाई राज्य बनाने की साजिश का आरोप लगाया था। उन्होंने दावा किया कि अगर वह किसी विदेशी देश को बांग्लादेश में एयरबेस स्थापित करने की अनुमति देती हैं तो उन्हें बेहद आसानी से एक बार फिर पीपुल चून लिया जाएगा। हालांकि उन्होंने उस वक्त देश का नाम नहीं बताया था। शेख हसीना ने अपने बयान में कहा कि अगर वह देश में

रुकी होती तो और ज्यादा मौतें हो जातीं। इतना ही नहीं, प्रदर्शन भी काफी उग्र होता और इससे नुकसान भी काफी होता। उन्होंने बांग्लादेशवासियों से कहा कि मैं आपकी लीडर बनी, क्योंकि आपने मुझे चुना था। बता दें कि शेख हसीना के इस्तीफे के बाद बांग्लादेश में 300 से ज्यादा मौतें हो चुकी हैं। इसके चलते अभी तक वहां पर मरने वालों की संख्या बढ़कर 560 हो चुकी है। हसीना ने कहा कि उनके शब्दों का गलत इस्तेमाल करके छात्रों को भड़काया गया। उन्होंने स्पष्ट किया कि मैंने कभी भी प्रदर्शनकारी छात्रों को राजाकर कहकर नहीं बुलाया। हसीना ने कहा कि किस तरह से साजिश की गई है, इसको देखना है तो आप मेरे भाषण का पूरा वीडियो देखिए।

**हरियाणा: जमीन ...**

**(प्रथम पृष्ठ का शेष)**

जानकारी के अनुसार रानियां में श्री जीवननगर नामधारी धाम स्थित है। नामधारी सिख सन्तद्वय के दो धाम हैं, एक धाम श्री भैरवी साहिब लुधियाना में है, जिसे सतगुरु उदय सिंह संभालते हैं। दूसरा धाम सिरसा के रानियां में है, जिसे टाकुर दलीप सिंह संभालते हैं। रविवार को सतगुरु उदय सिंह के अनुयायी डेरा जीवन नगर से सटी 12 एकड़ जमीन पर कब्जा करने की नीयत से आए थे। जमीन पर जीवन नगर नामधारी धाम से सटी है। कब्जा लेने की कोशिश का पता चलते ही दूसरा पक्ष वहां पहुंच गया, जिसके बाद दोनों पक्षों में जमकर झगड़ा शुरू हो गया। सतगुरु उदय सिंह के 250 अनुयायियों ने डेरे पर हमला कर दिया। दोनों तरफ से हथियार निकल गए और तांबड़ोड़ फायरिंग शुरू हो गई। इस घटना में 6 लोगों को गोलीयां लगी हैं।

वहीं खूनी झड़प की जानकारी मिलने के बाद जब पुलिस घटनास्थल पर पहुंची तो पुलिस पर भी गोलीयां चला दी गईं। एसएचओ की गाड़ी पर भी गोलीयां बरसाई गईं और ड्राइवर बाल-बाल बच गया। पुलिस वाले किसी तरह अपनी जान बचाकर वहां से भागे। इसके बाद सिरसा के एसपी विक्रान्त भूषण भारी पुलिस फोर्स लेकर मौके पर पहुंचे। पुलिस ने आंशु गैस के गोले छोड़कर भीड़ को वहां से खदेड़ा लेकिन पुलिस को शक है कि अभी भी हथियार बंद खेतों में छुपे हुए हैं, जिन की तलाश में सर्व ऑपरेशन चलाया जा रहा है।

सिरसा पिछले कई दिनों से तनाव में है। हाल ही में सिरसा के जगमालवाली स्थित मस्ताना शाह बलोचिस्तान आश्रम के संत महाराज बहादुर चंद वकील साहब का एक अगस्त को निधन हो गया था। उनकी गद्दी पर दो पक्षों की दावेदारी थी और डेरा प्रमुख के अंतिम संस्कार के दौरान दो पक्षों में गोलीबारी हुई थी।

इसे देखते हुए रसम पहाड़ी के दौरान भी कानून का आंकड़ा को लेकर प्रशासन ने सिरसा में इंटरनेट सेवाओं को बंद कर दिया गया था। सिरसा में इंटरनेट सेवा ठप कर दी गई थी। अब इस घटना ने सरकार और जिला प्रशासन की चिंता और बढ़ा दी है और जिले में कानून-व्यवस्था कायम रखना चुनौती बन गई है।

## बाणगंगा नदी में नहाने गये सात युवकों की डूबने से मौत

**बताया जा रहा है कि सभी युवक पानी में नहाने के दौरान रील बना रहे थे, सभी मृतक 14 वर्ष से 22 वर्ष आयु तक के बताए हैं**

भरतपुर, 11 अगस्त (निर्स)। जिले के बयाना उपखण्ड के पिदावली ग्राम के पास बाणगंगा नदी में वर्षों के पानी में नहाने के लिए गये श्रीनगर गांव निवासी सात बच्चों की डूब जाने से मौत हो गई। बताया जा रहा है कि सभी युवक पानी में नहाने के दौरान रील बना रहे थे। सभी मृतक 14 वर्ष से 22 वर्ष आयु तक के बताए हैं। जानकारी के अनुसार, बयाना क्षेत्र में होकर बहने वाली इस बाणगंगा नदी में करीब तीन दशक बाद बरसाती पानी का ऐसा बहाव आया है। इस समय इस नदी में तीन से चार फीट पानी का जल स्तर बताया है किंतु इस नदी में कई जगह खनन माफियाओं की ओर से बड़े पैमाने पर मिट्टी का अवैध खनन किए जाने से गहरे गहरे गड्ढे हो गए हैं जिनमें काफी गहरा पानी भर जाने से और ऐसे गड्ढे में ही यह बच्चे डूब जाने से यह हादसा हुआ बताया है। इस घटना के बाद गांव में हाहाकार मच गया। कई दशकों बाद बयाना क्षेत्र में बाण गंगा नदी में पानी आया था। इस घटना की सूचना मिलने पर प्रशासन द्वारा त्वरित टीम भेजी गई। एस.डी.आर.एफ. की टीम ने रैस्क्यू अभियान चलाकर बच्चों को पानी से निकलवाकर समीप के स्वास्थ्य केन्द्र

**■ बयाना क्षेत्र में होकर बहने वाली इस बाणगंगा नदी में करीब तीन दशक बाद बरसाती पानी का ऐसा तेज बहाव आया है।**

**■ घटना की सूचना मिलने पर एसडीआरएफ की टीम ने रैस्क्यू अभियान चलाकर बच्चों को पानी से निकलवाकर समीप के स्वास्थ्य केन्द्र झील का बाड़ा पहुंचाया।**

**■ जिला कलेक्टर डॉ. अमित यादव ने मौके पर जाकर स्थिति का जायजा लिया तथा परिजनों से मिलकर नियमानुसार सहायता दिलाया का भरोसा दिलाया।**

झील का बाड़ा पहुंचाया गया, जहां जिला कलेक्टर डॉ. अमित यादव ने मौके पर जाकर स्थिति का जायजा लिया तथा परिजनों से मिलकर नियमानुसार सहायता दिलाया का भरोसा दिलाया। बयाना उपखण्ड के पिदावली गांव के पास बाणगंगा नदी में बने गड्ढे में नहाने गये बच्चों के डूबने की सूचना मिलने पर प्रशासन द्वारा एस.डी.आर.एफ. टीम भेजकर रैस्क्यू किया गया जिनमें से तीन बच्चों को झील का बाड़ा लेकर गये तथा चार बच्चों को भरतपुर आर.बी.एम. अस्पताल ले जाया गया, जहां

चिकित्सकों ने सातों को मृत घोषित कर दिया। जिला कलेक्टर के निर्देश पर उपखण्ड प्रशासन द्वारा नियमानुसार सहायता प्रस्ताव तैयार कर राज्य सरकार को भिजवाया गया है। उपखण्ड अधिकारी बयाना ने बताया कि ग्राम श्रीनगर निवासी पवन (20) पुत्र उदय सिंह जाटव, सौरभ (14) पुत्र तानसिंह जाटव, भूपेन्द्र (18) पुत्र दशरथ जाटव, शान्तु (18) पुत्र खेमसिंह उर्फ खेमचन्द जाटव, लक्खी (20) पुत्र प्रीतम सिंह जाटव, पवन (22) पुत्र शुभार सिंह जाटव की डूबने से मौत हुई है।

**मोदी ने ....**

**(प्रथम पृष्ठ का शेष)**

की ओर कहा कि आम जनता का जैविक कृषि पर भरोसा बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि लोग जैविक खाद्य पदार्थों का उपभोग कर रहे हैं और इनकी मांग करते हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि कृषि विज्ञान केंद्रों को नई किस्मों के बारे में किसानों को जानकारी देने के लिए सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। मोदी ने नई फसल किस्म विकसित करने के लिए वैज्ञानिकों की सराहना की। कार्यक्रम में शामिल किसानों ने कहा कि नई किस्मों से उनके खर्चों में कमी आएगी और पर्यावरण पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। किसानों ने प्राकृतिक कृषि को बढ़ावा देने के लिए सरकार के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि कृषि विज्ञान केंद्र की जागरूकता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका है। वैज्ञानिकों ने बताया कि वे प्रधानमंत्री के सुझावों के अनुरूप काम कर रहे हैं।

बाद में केंद्रीय कृषि और किसान कल्याण मंत्री शिवाज सिंह चौहान ने संवाददाताओं से कहा कि आज किसानों के लिए ऐतिहासिक दिन है जब 61 फसलों की 109 किस्में जारी की गई हैं। उन्होंने कहा कि इनसे किसानों की आय बढ़ेगी, पैदावार में इजाफा होगा और लागत घटेगी। चौहान ने कहा कि इन फसलों के बीज जलवायु अनुकूल हैं और खराब मौसम में भी बेहतर पैदावार दे सकते हैं। उन्होंने बताया कि ये किस्में पोषक तत्वों से भरपूर हैं।

## अडानी के शेयरों के...

**(प्रथम पृष्ठ का शेष)**  
घोटाले में जेपीसी जांच नहीं होगी, तब तक मोदी जी अपने मित्र की मदद करते रहेंगे और देश की संवैधानिक संस्थाएं तार-तार होती रहेंगी।

हिंडनबर्ग रिसर्च ने शनिवार को आरोप लगाया कि सेबी की अध्यक्ष बुच और उनके पति के पास कथित अडानी धन हेराफेरी घोटाले में इस्तेमाल किए गए अस्पष्ट 'विदेशी फंड' में हिस्सेदारी थी। हिंडनबर्ग ने अडानी पर अपनी पिछली रिपोर्ट के 18 महाने बाद एक 'ब्लॉगपोस्ट' में कहा, सेबी ने अडानी के मॉरीशस और विदेश स्थित इकाइयों के कथित अघोषित जाल में आश्रयजनक रूप से रुचि नहीं दिखाई है।

सेबी प्रमुख बुच और उनके पति ने एक संयुक्त बयान जारी कर

हिंडनबर्ग के आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए इसे पूरी तरह से बेवुनियाद बताया है। उन्होंने कहा कि उनकी वित्तीय स्थिति (विनिमय) एक खुली किताब की तरह है। वहीं अडानी समूह ने रविवार को कहा कि हिंडनबर्ग के नए आरोप सार्वजनिक रूप से उपलब्ध सूचनाओं का दुर्भावनापूर्ण, शरारती और छेड़छाड़ करने वाला चयन है तथा उसका बाजार नियामक सेबी की अध्यक्ष या उनके पति के साथ कोई वाणिज्यिक संबंध नहीं है।

**कानोता...**

**(प्रथम पृष्ठ का शेष)**  
गहराई करीब 17 फीट है। ऐसे में जरा सी लापरवाही लोगों की जान मुसीबत में डाल सकती है।

## खेतड़ी : महाराणा माता मंदिर के पास बने तालाब में नहाने उतरे तीन युवक डूबे

**सांवलोट के रहने वाले तीनों युवक की मौत हुई**

**खेतड़ी, 11 अगस्त (निर्स)।**

सिंधाना थाना क्षेत्र के महाराणा गांव में माता के मंदिर के पास बने तालाब में डूबने से रविवार शाम को तीन युवकों की मौत हो गई। तीनों मृतक महाराणा के पड़ोसी गांव सांवलोट के रहने वाले थे, जो नहाने के लिए महाराणा माता मंदिर के पास बने तालाब पर आए थे। घटना शाम करीब साढ़े चार बजे की बताई जा रही है। तीनों युवक पर वहां नहा रहे अन्य लोगों ने पुलिस को सूचना दी तो सिंधाना पुलिस मौके पर पहुंची तथा ग्रामीणों की मदद से तीनों युवकों को तालाब से बाहर निकाला गया है। थानाधिकारी कैलाश चंद यादव

ने बताया कि महाराणा माता मंदिर के पास बने तालाब में तीन युवकों के डूब जाने की सूचना मिलने पर मौके पर पहुंचे। अभी दो युवकों के शव को निकाल लिया गया है तथा एक युवक की तलाश की जा रही है। तीनों युवक सांवलोट के रहने वाले होने की जानकारी सामने आई है। परिजनों के बारे में जानकारी जुटाकर युवकों की जानकारी जुटाई जा रही है। महाराणा की पहाड़ी पर ऐतिहासिक माता का मंदिर

**■ तालाब बीते कई महीनों से खाली था लेकिन बीते कई दिनों से हो रही बारिश के कारण तालाब में पानी की अच्छी आवक हो चुकी है।**

बना हुआ है। इसके अलावा मंदिर में सीढ़ी चढ़ने से पहले बने मुख्य द्वार के पास तालाब बना हुआ है। तालाब पिछले काफी दिनों से खाली था लेकिन क्षेत्र में पिछले दो दिनों से हो रही बरसात से तालाब पानी से भर गया है। तीनों युवक

अपने गांव से महाराणा माता के मंदिर में आए थे। इस दौरान तालाब में पानी देख नहाने के लिए उतर गए। इस दौरान पानी में डूबने से तीनों की मौत हो गई है। घटना की सूचना पर प्रशासनिक अधिकारी भी

मौके पर पहुंचे तथा घटना की जानकारी जुटाई जा रही है। थानाधिकारी ने बताया कि तीनों मृतकों की पहचान अनूज पुत्र दलीप नेहरा, बुलकेश पुत्र थाराम तथा अनूज पुत्र पूर्णमल के रूप में हुई है। तीनों मृतकों के शव को खेतड़ीनगर के के.सी.सी. अस्पताल की मोचरी में रखवाया गया है, जहां सुबह परिजनों की मौजूदगी में पोस्टमार्टम करवाया जाएगा।

मृतक अनूज का पिता पूर्णमल

मजदूरी करता है, बड़ा भाई विनोद गाड़ी ड्राइवर है, दूसरे नंबर के भाई की चार साल पहले मृत्यु हो गई थी, मृतक अनूज तीन भाइयों में सबसे छोटा था। दो बड़ी बहनें शादीशुदा हैं।

अनूज पुत्र दलीप नेहरा अपने माता-पिता के इकलौता बेटा था। वह बीए प्रथम वर्ष में बुधाना के राजकीय कालेज में पढ़ाई कर रहा था। बुलकेश पुत्र थाराम तीन भाइयों में सबसे छोटा था। बड़ा भाई पहाड़ी में मजदूरी करता है। दूसरे नंबर का पढ़ाई तथा तीसरे नंबर का बुलकेश बारहवीं पास कर कालेज में एडमिशन लेने वाला था। मृतक का पिता थाराम भी मजदूरी करता है।